लखनऊ

गुरुवार, 19 सितम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 69

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

किसी भी कार्य करने के लिए तुरन्त उठो, जागो और तब तक नही रुकना जब तक लक्ष्य हासिल न हो जाए - स्वामी विवेकानन्द

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

वन नेशन वन इलेक्शन पर रामनाथ कोविंद रिपोर्ट को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक देश एक चुनाव को आज मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन पूर्व राष्ट्रपति राममनाथ कोविंद थे। कोविंद ने अपनी रिपोर्ट इसपर आज मोदी कैबिनेट को दी जिसके बाद उसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। हालांकि इसके बाद आगे का सफर आसान नही होने वाला है। इसके लिए संविधान संशोधन और राज्यों की मंजूरी भी जरूरी है, जिसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

वन नेशन वन इलेक्शन यानी एक देश एक चुनाव को मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हाई लेवल कमेटी की सिफारिशों को मंजूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि 1951 से 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। हम अगले महीनों में इसपर आम सहमति बनाने की कोशिश करेंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि 'एक देश एक चुनाव' पर समिति ने 191 दिन तक काम किया और 21,558 लोगों से राय ली। 80% लोगों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें 47 में से 32 राजनीतिक दल भी शामिल हैं। समिति ने पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों, चुनाव आयुक्तों और राज्य चुनाव आयुक्तों से भी बात की। वैष्णव ने बताया कि 'एक देश एक चुनाव' दो चरणों में लागू होगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत और नगरपालिका) होंगे।

शीतकालीन सत्र में लाया जा सकता है बिल

एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को आज नरेंद्र मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि अब केंद्र सरकार इसे शीतकालीन सत्र में संसद में लाएगी। हालांकि, ये संविधान संशोधन वाला बिल है और इसके लिए राज्यों की सहमति भी जरूरी है। 2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने वन नेशन वन इलेक्शन का वादा किया था।

बीजेपी के सहयोगी दलों का भी मिला साथ

बीजेपी सहयोगी, जेडीयू और एलजेपी ने भी औपचारिक रूप से इस कदम का समर्थन किया है, वहीं विपक्षी दलों ने विरोध किया है। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि जेडीयू एनडीए की एक राष्ट्र-एक चुनाव योजना का पूरा समर्थन करता है। ऐसा करने से देश

'समिति की सिफारिशें मंजूर, लोकतंत्र में सहभागिता बढ़ेगी'

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की दिशा में एक कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसको लेकर पीएम मोदी ने ट्वीट किया है। अपने पोस्ट में मोदी ने लिखा कि कैबिनेट ने एक साथ चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास का नेतृत्व करने और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी को बधाई देता हूं।

संक्षेप

'भारत बहुत ज्यादा आयात शुल्क लगाता है, लेकिन पीएम मोदी शानदार व्यक्ति', डोनाल्ड ट्रंप का बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान भारत पर आयात शुल्क का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। हालांकि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और उन्हें शानदार व्यक्ति बताया। मिशिगन में अपने चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते अमेरिका दौरे पर आने वाले हैं और उस दौरान वह पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-23 सितंबर तक अमेरिका दौरे पर रहेंगे। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'भारत, आयात शुल्क का दुरुपयोग करता है। वह (पीएम मोदी) अगले हफ्ते मुझसे मिलने आ रहे हैं। मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं। अमेरिका आ रहे नेताओं में से कई शानदार हैं।' उन्होंने दोहराया कि 'भारत आयात पर भारी शुल्क लगाता है। भारत बहुत सख्त है। ये लोग सबसे चतुर लोग हैं।' उन्होंने कहा, 'वे (भारतीय) अपने खेल के शीर्ष पर हैं, और वे इसका इस्तेमाल हमारे खिलाफ करते हैं। भारत भी सख्त है। ब्राजील बहुत सख्त है...चीन सबसे सख्त है।' डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि 'अगर वे चुनाव जीतते हैं, तो अमेरिका भी जैसे के साथ तैसा करेगा। अगर कोई हम पर 10 पैसे आयात शुल्क लगाएगा या दो डॉलर या 250 प्रतिशत लगाएगा तो हम भी उनसे उतना ही आयात शुल्क वसूलेंगे। इस तरह हम फिर से मुक्त व्यापार में आ जाएंगे।'

पाकिस्तान के बैलिस्टिक प्रोजेक्ट पर अमेरिका ने जताई चिंता, पिछले हफ्ते चीनी संस्थानों पर लगाया था प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि परमाणु हथियार किसी के लिए भी ठीक नहीं है, इसके प्रसार पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका प्रतिबद्ध है। मंगलवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मिलर ने कहा कि पिछले हफ्ते अमेरिका ने छह चीनी संस्थानों और एक बेलारूसी इकाई के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्होंने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम की आपूर्ति के लिए काम किया। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम के आपूर्तिकर्ताओं पर प्रतिबंध लगाया है। इस प्रतिबंध पर अमेरिका की चिंता को लेकर मिलर से सवाल किया गया। उन्होंने इससे जुड़ी गतिविधियों का समर्थन करने वाले नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता जताई। मिलर ने कहा, 'ऐसे खतरनाक हथियार किसी के लिए बेहतर विकल्प नहीं हैं। इसके खिलाफ कार्रवाई करके अंतरराष्ट्रीय अप्रसार व्यवस्था को मजबूत करने पर हमारा फोकस है। पिछले हफ्ते छह पीआरसी संस्थाओं और एक बेलारूसी संस्था के खिलाफ हमने कार्रवाई की, जो सदियों से पाकिस्तान की मिसाइल कार्यक्रम में आपूर्ति के लिए काम कर रहे थे।' मैथ्यू मिलर ने कहा, 'पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार करना अमेरिका की नीति रही है।' उन्होंने बताया कि अमेरिका यह प्रतिबंध जारी रखेगा। पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम के खिलाफ अमेरिका के प्रतिबंध को लेकर सवाल पर मिलर ने कहा, 'पाकिस्तान हमारा लंबे समय से साझेदार रहा है।

महिलाओं को 2 हजार, बुजुर्गों को 6 हजार... हरियाणा में कांग्रेस के घोषणा पत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसे संकल्प पत्र नाम दिया गया है। कांग्रेस ने अपने वादों का पिटारा जनता के सामने खोल दिया है। हरियाणा के लिए कांग्रेस ने 7 गारंटी जारी कर दी हैं। जिसमें महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, गरीबों और किसानों का खास ख्याल रखा गया है। हर एक वर्ग को लुभाने की कोशिश कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में की है।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम दिया है। सात वादे, पक्के इरादे के नाम से गारंटी जारी की हैं। कांग्रेस ने हरियाणा की जनता से सात बड़े वादे किए हैं। जिसमें हर एक वर्ग पर फोकस किया गया है। कांग्रेस की यह गारंटी जनता को कितना पसंद आती हैं, ये तो विधानसभा चुनाव के बाद ही पता चल सकेगा।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में आधी आबादी का पूरा ध्यान रखा है। अपने संकल्प पत्र में उन्होंने हर महीने महिलाओं को 2000 रुपए देने का वादा किया है। साथ ही गैस सिलेंडर के लिए 500 रुपए देने का वादा किया है। बढ़ावा पेंशन के लिए 6 हजार रुपए, दिव्यांगों को हर हजार रुपए महीने देने का वादा, विधवाओं को 6 हजार रुपए महीने देने का वादा, साथ ही ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल करने का वादा किया है। भर्ती विधान के तहत 2 लाख पक्की भर्तियां और नशा मुक्त हरियाणा का वादा कांग्रेस ने यहां के युवाओं से किया है। कांग्रेस ने अपने संकल्प पत्र में हर परिवार को 300 यूनिट फ्री बिजली और 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज देने का वादा किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में गरीबों को 100 गज का प्लॉट, 3.15 लाख रुपए की लागत से दो कमरों का मकान देने का वादा किया है। हरियाणा के किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी, तत्काल फसल मुआवजा देने का वादा कांग्रेस ने दिया है। कांग्रेस ने पिछड़ों को अधिकार देने की बात अपने संकल्प पत्र में कही है। पार्टी ने जातिगत सर्वे का वादा और क्रीमी लेयर की सीमा 10 लाख रुपए तक बढ़ाने का वादा किया है।

कांग्रेस कर रही सरकार बनाने का दावा

हरियाणा में 5 अक्तूबर को वोटिंग के बाद 8 अक्तूबर को नतीजे आएंगे। जम्मू-कश्मीर में तीसरे और अंतिम चरण के साथ वोट डाले जाएंगे। कांग्रेस दावा कर रही है कि इस बार हरियाणा में वही सरकार बनाने जा रही है। वहीं बीजेपी भी दावा कर रही है कि इस बार वह रिकॉर्ड तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाएंगे। घोषणापत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेश किया है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र की अहम बातें

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने आज दिल्ली से अपना घोषणापत्र जारी किया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं, जिसमें 500 रुपये में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है।

अरविंद एक हफ्ते में खाली करेंगे सरकारी मकान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सरकारी सुविधाएं छोड़ने का निर्णय लिया है। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने बताया कि केजरीवाल एक हफ्ते में सरकारी आवास खाली कर देंगे। संजय सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर केजरीवाल को कई सुविधाएं मिली हुई थीं, उन्होंने इस्तीफा देने के तुरंत बाद सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का निर्णय लिया। जबकि अन्य नेता सरकारी सुविधाओं से चिपके रहते हैं, केजरीवाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह आवास खाली करेंगे।

हर अग्निवीर को मिलेगी नौकरी, गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान

फरीदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के फरीदाबाद में भाजपा की चुनावी रैली में दावा किया कि सेना से लौटे हर अग्निवीर को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है और बचे हुए सभी अग्निवीरों को हरियाणा में रोजगार दिया जाएगा।

रैली में फरीदाबाद जिले की सभी छह विधानसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल भी उपस्थित थे। गृह मंत्री ने हरियाणा की पहचान को जवानों, किसानों और खिलाड़ियों के साथ जोड़ते हुए कहा, हरियाणा देश का गौरव है। यहां के किसान देश की जनता का पेट भरते हैं और यहां के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह झूठ फैला रही है और भूपेंद्र सिंह हुड्डा से सवाल किया कि कांग्रेस ने सैनिकों की धरती हरियाणा में वन रैंक वन पेंशन क्यों नहीं लागू की। अमित शाह ने भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्यों की प्रशंसा की, जिसमें केजीपी, केएमपी और जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार किए हैं। इसके अलावा, शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनके उम्मीदवारों की जनसभाओं में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह विदेश जाकर देश की छवि को खराब कर रहे हैं और कश्मीर में आतंकियों को रिहा कराने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी को आतंकवादी कहने, धमकी देने के खिलाफ केंद्रीय मंत्री समेत चार की पुलिस में शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले चार भाजपा नेताओं के खिलाफ कांग्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जिन नेताओं के खिलाफ शिकायत दी गई है उनमें रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी शामिल हैं।

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने बुधवार सुबह दिल्ली के तुगलक रोड थाने में यह शिकायत दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने दिल्ली में पिछले सप्ताह राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी दी है। माकन के मुताबिक, भाजपा नेता ने कहा था कि राहुल गांधी संभल जाओ नहीं तो आपका भी वही हाल हुआ होगा जो आपकी दादी का हुआ था।

तुगलक रोड पुलिस थाने के बाहर मौजूद अजय माकन ने मीडिया से कहा, हम सभी जानते हैं कि इंदिरा गांधी जी ने अपनी सीने पर 34 गोलियां खाई थीं और शहीद हुई थीं। राजीव गांधी ने शांति वार्ता शुरू की थी, इस वजह से उनके शरीर के चिथड़े उड़ा दिए गए। राहुल गांधी के परिवार ने देश के लिए शहादत दी और आज राहुल गांधी जी को यह कहा जाता है कि आप संभल जाओ वरना आपका भी वही हाल होगा।

माकन का कहना था कि भारत के अंदर राजनीति इससे नीचे नहीं गिर सकती। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने न तो इस बयान की निंदा की, न ही इसके खिलाफ कोई कार्रवाई की। उन्होंने कहा, इसके बाद भाजपा के सहयोगी दल के नेता ने कहा कि जो राहुल गांधी की जुबान काटेगा उसको 11 लाख रुपये मिलेंगे। आपको जिसकी बात अच्छी न लगे, राहुल गांधी की आवाज पसंद नहीं क्योंकि वह वह देश हित की बात करते हैं, गरीबों की, मजदूरों की बात करते हैं। इसीलिए आप उनकी जुबान काटने की धमकी दे रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भाजपा की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। हमारे नेता राहुल गांधी पिछड़ों के, दलितों के, गरीबों के हितों की आवाज को उठाते रहेंगे।

अजय माकन ने कहा कि भारत सरकार के एक मंत्री (रवनीत सिंह बिट्टू) ने राहुल गांधी को इसलिए आतंकवादी कह दिया क्योंकि राहुल गांधी जो बातें बोल रहे हैं, वह उनको पसंद नहीं। इसलिए आज हमने पुलिस में शिकायत दी है, ताकि इन लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। यह सीधे-सीधे जान मारने की धमकी है। कांग्रेस ने चार लोगों के खिलाफ यह शिकायत दी है जिनमें केंद्रीय मंत्री के अलावा दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक, महाराष्ट्र के शिवसेना विधायक और उत्तर प्रदेश के एक मंत्री का नाम है।

जम्मू और कश्मीर में पहले चरण का मतदान खत्म, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा तो पुलवामा में सबसे कम हुई वोटिंग

जम्मू। जम्मू और कश्मीर में पहले चरण का मतदान आज खत्म हो गया है। पहले चरण में 58.19 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू और कश्मीर में चुनाव 10 वर्षों में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को जिन सात जिलों में मतदान हुआ, वहां मतदान प्रक्रिया काफी सुचारू रही। किश्तवाड़ में भाजपा और पीडीपी नेताओं के बीच मामूली झड़प हुई, हालांकि मतदान ज्यादातर हिंसा मुक्त रहा। किश्तवाड़ जिले में सबसे अधिक 77.23 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि पुलवामा में सबसे कम 46.03 प्रतिशत मतदान हुआ। अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे, जबकि वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

बुलडोजर मामले में केंद्र सरकार बनाए एक सी गाइडलाइन : मायावती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने बुलडोजर मामले को लेकर केंद्र सरकार से एक-समान गाइडलाइन बनाने की अपील की है।

यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृति चिन्तनीय है। वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केंद्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनानी चाहिए, जो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आगे लिखा, वरना बुलडोजर एक्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देकर केंद्र सरकार की जिम्मेदारी को खुद नहीं निभाना पड़ता, जो यह जरूरी था। केंद्र व राज्य सरकारें संविधान व कानूनी राज के अमल होने पर जरूर ध्यान दें।

बता दें कि पूरे देश में बुलडोजर के जरिए किसी भी निर्माण को गिराने पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यह रोक एक अक्टूबर तक लागू रहेगी। उसी दिन अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह फैसला सावर्जनिक रास्तों, फुटपाथ, रेलवे ट्रैक एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई पर लागू नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी संपत्ति पर बुलडोजर कार्रवाई से पहले अदालत की अनुमति लेनी होगी। कोर्ट की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकेगा।

नितिन गडकरी ने अधिकारियों को लगाई फटकार

सड़के बहुत बना ली, अब खराब काम करने वालों को हटाना है

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के रखरखाव को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। दुहाई इंटरचेंज पर आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने बहुत सी सड़कें बना दी हैं, लेकिन अब खराब काम करने वालों को सिस्टम से बाहर करना जरूरी है। गडकरी ने कहा, हमारे सड़क के काम में बहुत प्रगति हुई है, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि अब कुछ लोगों को मेरे हाथों से रिटायर होना चाहिए। कुछ ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और

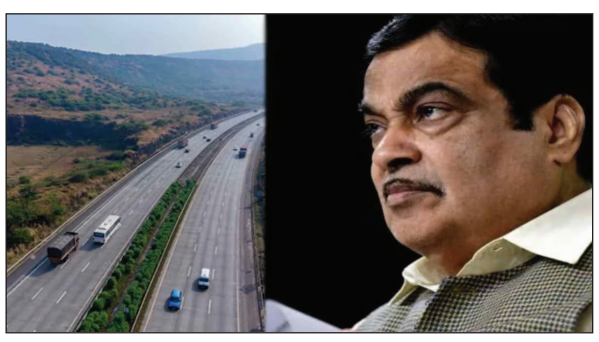

कुछ की बैंक गारंटी जब्त की जाएगी। मैंने आज देखा कि सड़क का रखरखाव बहुत गंदा था।

उन्होंने आगे कहा कि जो एजेंसियां अच्छे कार्य करेंगी, उन्हें हर साल पुरस्कार दिए जाएंगे, जबकि गंदा काम करने वालों को सिस्टम से बाहर किया जाएगा। गडकरी ने कहा, हम टॉयलेट्स की भी जांच करेंगे। जो अच्छा काम नहीं करेगा, चाहे वह विदेशी कंपनी हो, उसे भी ब्लैकलिस्ट करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी घोषणा की कि वह और उनके राज्यमंत्री अब सड़कों की जांच करेंगे और खराब काम करने वालों को बाहर करेंगे। उन्होंने कहा, अब हमें लोगों को रिटायर करना, सस्पेंड करना और ब्लैकलिस्ट करने का काम करना है। मेरी बात को गंभीरता से लें। मैंने अपने राजमंत्रियों से कहा है कि वे हर सड़क पर जाएं, और मैं भी उनका साथ दूंगा। जो अच्छा काम करेगा, उसे सम्मान मिलेगा और जो बुरा करेगा, उसे सिस्टम से बाहर किया जाएगा।

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर रवनीत बिट्टू ने किया रिएक्ट, कहा- पुरानी चालों पर वापस आ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी पर दिए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के खिलाफ कांग्रेस देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस बीच, दिल्ली का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्य विरोध प्रदर्न कर रहे हैं, जहां आगजनी भी की गई। इसे लेकर बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू कहा, 'कांग्रेस अपनी पुरानी चालों पर वापस आ गई है। जो कोई भी गांधी परिवार को उजागर करेगा उसे 1984 के सिख दंगों की याद दिलाते हुए आगजनी और हिंसा की धमकियों का सामना करना पड़ेगा। क्या इसे ही वे अपनी 'मोहब्बत की दुकान' कहते हैं? लोग देख रहे हैं और नोट कर रहे हैं!' बता दें कि राहुल गांधी को लेकर

दिए बयान को लेकर कांग्रेस रवनीत बिट्टू के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। रवनीत सिंह बिट्टू ने हाल ही में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान दिया था। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी को देश का नंबर एक आतंकी बताया था।

दरअसल, राहुल गांधी कुछ दिन पहले अमेरिका दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने वहां एक प्रोग्राम को संबोधित किया था। दर्शकों में से एक सिख सदस्य से उनका नाम पूछते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख के रूप में उन्हें पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। भारत में कड़ा पहनने की अनुमति है या नहीं, एक सिख के रूप में उसे गुरुद्वारे में जाने की अनुमति है या नहीं। इसी को लेकर बवाल हुआ था। बीजेपी ने विरोध किया था। इसके बाद बयानबाजी चल रही थी। इसके बाद रवनीत बिट्टू ने बयान दिया था कि राहुल गांधी हिंदुस्तानी नहीं हैं। उनको भारत से प्यार भी नहीं है। राहुल ने पहले मुसलमानों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो वे अब सिखों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेरेरिस्ट हैं। उनको पकड़ने वाले को इनाम दिया जाना चाहिए, क्योंकि वे देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा, प्रदेश के 18 मंडलों में किया प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध के खिलाफ लगातार हमलावर है। बुधवार को लखनऊ समेत प्रदेश के सभी 18 मंडलों में पार्टी ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा है। लखनऊ में शहीद स्मारक पर राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन के दौरान योगी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध के खिलाफ हल्ला बोला है। बताया जा रहा है कि इस प्रदर्शन में वरिष्ठ नेताओं के साथ अमेठी सांसद

किशोरी लाल शर्मा, बाराबंकी सांसद तनुज पुनिया, सीतापुर सांसद राकेश राठौर समेत कई विधायक भी शामिल रहे हैं।

राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे ने कहा कि यूपी सरकार प्रदेश में अच्छी कानून व्यवस्था का दावा करती है। लेकिन प्रदेश की जनता अपने आप को आतंकित और असहज महसूस कर रही है। कोई भी व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री योगी बुलडोजर बाबा सुनकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। लेकिन, ये सबसे बड़ी शर्मनाक बात है। देश के संविधान में जो कानून और कोर्ट बनाये गए हैं। उनके समक्ष आरोपियों और दोषियों को पेश करके उन्हें सजा देने का काम किया जाए, न कि बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की जाये। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से सड़कों पर उतर चुकी है। प्रदेश के 18 मंडलों में योगी सरकार के खिलाफ खड़ी है। वहीं उन्होंने बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया।

राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते अपराध और ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, हमारी एक ही मांग है अगर इन सब पर रोक नहीं लगी तो कांग्रेस का कार्यकर्ता घर नहीं बैठेगा, लोगों की आवाज़ और ढाल बनकर उनकी रक्षा करेंगे।

अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर आई है और हमेशा जनता की आवाज उठाएगी। बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि बहुत ही सराहनीय निर्णय है। कानूनी कार्रवाई ही होनी चाहिए। कोई मनमाना क़ानून नहीं बल्कि भारत के संविधान के मुताबिक कार्रवाई होनी चाहिए।

अन्नदाता किसानों, उपभोक्ताओं और जनजातीय समुदाय के कल्याण हेतु लिए गए निर्णयों की सीएम योगी ने की सराहना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अन्नदाता किसानों, उपभोक्ताओं और जनजातीय समुदाय के कल्याण हेतु लिए गए निर्णयों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सराहना की और प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। केंद्रीय कैबिनेट ने एक ओर जहां वर्ष 2025-26 तक ₹35,000 करोड़ से पीएम-आशा योजना को जारी रखने का निर्णय लिया है तो वहीं रबी फसल सत्र, 2024 के लिए फॉस्फेटिक और पोटैसिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। वहीं 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' को स्वीकृति प्रदान की गई है। पीएम-आशा योजनाओं को जारी रखने के निर्णय को लेकर सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, ₹अन्नदाता किसानों के उत्थान एवं उपभोक्ताओं के कल्याण हेतु प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वर्ष 2025-26 तक ₹35,000 करोड़ के कुल वित्तीय व्यय से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजनाओं को जारी रखने हेतु मिली मंजूरी सराहनीय है। अन्नदाता किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करने और उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने हेतु लिए गए इस जनहितकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार।' पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दिए जाने पर सीएम योगी ने लिखा, 'अन्नदाता किसानों की उन्नति व खुशहाली ही डबल इंजन की भाजपा सरकार का संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि के क्रम में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रबी फसल सत्र, 2024 के लिए फॉस्फेटिक और पोटैसिक (P&K) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) दरें तय करने के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति अत्यंत सराहनीय है। इस निर्णय से किसान साथियों को उचित मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ ही उनकी समृद्धि के नए द्वार भी खुलेंगे। आभार प्रधानमंत्री जी।' इसी तरह, सीएम योगी ने 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' को मंजूरी मिलने पर लिखा, 'प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' को मिली स्वीकृति अभिनंदनीय है। जनजातीय समुदाय के उत्थान की दिशा में लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से 63,000 से अधिक गांवों के 5 करोड़ से अधिक आदिवासी भाई-बहनों के जीवन-स्तर में सुधार एवं समृद्धि आएगी। जनजातीय बहुल ग्रामों का समग्र विकास सुनिश्चित करते इस निर्णय हेतु प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं देश वासियों, विशेषकर जनजातीय समुदाय से जुड़े भाई-बहनों को बधाई।'

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा का आगाज़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितम्बर को उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधानमंत्री के जन्मदिवस से शुरू हुए सेवा पखवाड़ा का हिस्सा है, जो एक अक्टूबर तक चलेगा। इस पखवाड़े का उद्देश्य समाज की भलाई के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियों को संचालित करना है जिसमें रक्तदान, और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 17 सितम्बर को पूरे प्रदेश में राज्य रक्त सचंरण परिषद के तत्वावधान में 370 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें कुल 4575 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसके साथ ही 5709 नए स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने अपना पंजीकरण कराया। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है, जो इस बार की मुहिम की व्यापक सफलता को दर्शाता है। इन शिविरों में सरकारी और निजी रक्त बैंकों के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए जिन्होंने अपनी स्वैच्छिक सेवा दी। प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रक्तदान शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों विशेषकर युवाओं और महिलाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं, थैलेसीमिया और हीमोफीलिया से पीड़ित बच्चों और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा रक्तदान एक महान सेवा है जो जरूरतमंदों की जान बचा सकती है। मैं विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के जनमानस से अपील करता हूँ कि वह आगे आकर इस अभियान में हिस्सा लें और अपने रक्तदान से समाज की सेवा करें।

यूपी में जाति देखकर हो रहा एनकाउंटर, थानों की हो रही नीलामी : सांसद उज्ज्वल रमण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। शहर में कांग्रेसियों ने बुधवार को सिविल लाइंस पत्थर गिरजा घर स्थित धरना स्थल पर प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था के साथ राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस दौरान मौजूद सांसद उज्ज्वल रमण सिंह कहा कि समूचे प्रदेश में मौजूद थानों की पूरे प्रदेश में थानों की नीलामी हो रही है। थानों में अफसरशाही भारी है। यूपी में जाति देखकर एनकाउंटर हो रहे है।

नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले केंद्रीय मंत्री का भाजपा सरकार पक्ष लेते हुए उनका संरक्षण कर रही है। पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्थ लड़खड़ा चुकी है। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा गया। उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष पर जिस तरह से केंद्रीय मंत्री ने अभद्र टिप्पणी की है, वह बिल्कुल गलत है। यह इतिहास रहा है कि किसी ने नेता प्रतिपक्ष पर इस तरह की अभद्र टिप्पणी नहीं की होगी।

इससे यह साफ होता है कि केंद्रीय मंत्री को भाजपा सरकार संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि इस डबल इंजन की सरकार का चेहरा अब बेनकाब हो चुका है। इस सरकार से जनता पूरी तरह से ऊब चुकी है। उन्होने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए बुलडोजर की नीति पर तत्काल रोक लगाने के साथ आगे फैसला करने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई होनी चाहिए। गलत कार्रवाई करने पर उसके खिलाफ कार्रवाई होना तय है।

कानपुर में बस अड्डा बदहाली की सीमा कर रहा पार, दस वर्षों से दिखा रहे पीपीपी मॉडल का सपना, अधिकारी बोले ये...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। शहीद मेजर सलमान खान अंर्तराज्यीय झकरकटी बस अड्डे का विकास पीपीपी मॉडल के तहत होगा, यही लालीपॉप पिछले लगभग 10 वर्षों से परिवहन दे रहा है। परिवहन को ये नहीं दिखाई दे रहा है कि उसके अनदेखी के चक्कर में यात्रियों की किस प्रकार की दुर्दशा हो रही है। परिवहन अधिकारियों के पास एक रटारटाया जवाब है कि पीपीपी मॉडल के तहत इसका विकास होना है।

झकरकटी बस अड्डा के अंदर सड़क से सीधे बसों के प्रवेश करने का रास्ता बना है लेकिन बस अड्डा के गेट पर पहुंचते ही बड़े बड़े गड्ढे बसों में बैठे यात्री की कमर तोड़ देते हैं। यदि इन गड्ढों को भर दिया जाये तो कुछ राहत मिल जाये लेकिन ऐसा नहीं करने से आयेदिन बस अड्डे पर हादसे हो रहे हैं।

झकरकटी बस अड्डा के अंदर बस के आने के बाद बाहर बसों के निकलने के लिये बस अड्डा के पीछे का रास्ता दिया गया है लेकिन ये रास्ता खेत से बदतर है। बस अड्डा के पीछे गेट से होते हुए झकरकटी पुल के नीचे से जैसे ही सर्विस रोड पर बसें पहुंचती है, यहां रोड का अता पता नहीं है, सड़क दलदल हो चुकी है, आधी बस इसमें धंस जाती है।

तत्कालीन यूपी की मुख्यमंत्री मायावती ने झकरकटी बस अड्डे का पीपीपी मॉडल के तहत विकास करने के लिए कमेटी गठित की थी और अब योगी सरकार में भी पीपीपी मॉडल के तहत इस बस अड्डे का विकास होना है लेकिन कब होगा, ये कोई नहीं जानता है।

रामनगरी को गुरुवार को फिर विकास से जोड़ेंगे सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के विकास के लिए योगी सरकार लगातार धनवर्षा कर रही हैं। अयोध्या को विश्व के पटल पर स्थापित करने में मोदी-योगी सरकार कोई कसर नहीं रख रही है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी निरंतर यहां विकास का पहिया चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी अयोध्या पहुंचते हैं तो यहां विकास के मार्ग प्रशस्त करते हैं। सीएम योगी गुरुवार को फिर अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस बार वे यहहां एक हजार करोड़ से भी अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री स्थानीय जनप्रतिनिधियों संग बैठक भी करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा भी करेंगे। वह 10:40 पर मिल्कीपुर के विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पहुंचेंगे। एक बजे तक मिल्कीपुर में ही रहेंगे। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की कमान संभाले सीएम योगी तीन महीने के अंदर दूसरी बार जिले को विकास का तोहफा देंगे।

सीएम द्वारा अयोध्या में एक हजार चार करोड़ 74 लाख 63 हजार की कुल 83 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। इनमें विधानसभा मिल्कीपुर की कुल 40 परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल लागत 4975.06 लाख है।

जनपद में 8283.43 लाख की 37 परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। लोकार्पित परियोजनाओं के अन्तर्गत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति की 21, लोक निर्माण विभाग की 15, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास-उद्यमशीलता की दो एवं समाज कल्याण विभाग की एक परियोजना सम्मिलित है। विधानसभा मिल्कीपुर में सात परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाना है। लोकार्पित परियोजनाओं के अन्तर्गत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति की 05 एवं लोक निर्माण विभाग की दो परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

कई परियोजनाओं का किया जाएगा शिलान्यास

जनपद में 92191.20 लाख की 46 परियोजनाओं का शिलान्यास मुख्यमंत्री के हाथों होगा। लोक निर्माण विभाग की 34, नगर विकास विभाग की दो, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की दो. चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की दो. चिकित्सा शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, उच्च शिक्षा विभाग स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, उद्यमशीलता एवं युवा कल्याण विभाग की एक-एक परियोजनायें सम्मिलित हैं। विधानसभा मिल्कीपुर में 3456 लाख की 33 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है।

नैनी में बनेगी प्रदेश की सबसे बड़ी तीसरी महिला जेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में महिला बंदियों के लिए शासन स्तर पर एक बड़ा बदलाव होने की तैयारी में है। जेल में रहने वाली महिला बंदियों के लिए महिला जेल बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद यह मिला जेल प्रदेश की पुण्य सबसे बड़ी जेल बनकर तैयार होगी। जिस पर जल्द ही मुहर लगने वाली है। अभी महिला बैरकों में 120 महिलाओं की क्षमता है।

प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद इस महिला जेल को तैयार किया जायेगा। नैनी सेंट्रल जेल में बंद सजायाफ्ता और अंडर ट्रायल महिला बंदियों के लिए अब एक अलग महिला जेल बनाने की तैयारी की जा रही है। जो प्रदेश की सबसे बड़ी और तीसरी महिला जेल होगी। इस जेल की क्षमता महिला बंदियों जा संख्या और प्रस्ताव के आधार पर होगी। इस जेल में दो मंजिला ईमारत बनाई जाएगी। इसके अलावा चार बैरके भी बनेगी। इस नारी निकेतन में अन्य जिलों से कई सजायफ्ता महिला बंदियों को भेजा जाएगा। अभी फिलहाल इस महिला जेल की बैरकों में 50 सजायाफ्ता बंदी है। बाकी अंडर ट्रायल है।

इस महिला जेल के निर्माण के बाद इसमे एक अधीक्षक व जेलर और जेल वार्डर भी नियुक्त किये जाएगे। जो शासन स्तर पर नियुक्त होंगे। महिला जेल को पूरा जिला जेल की तरह ही तैयार किया जाएगा। जिसमें सर्किल, बैरक, पाकशाला अस्पताल समेत वो सारी सुविधायें होंगी जो जिला जेल में दी गयी है।

सेंट्रल और जिला में पुरुष बंदियों के लिए जेल की बैरकों में राइटर या नंबरदार नियुक्त होते है। लेकिन महिला जेल में संख्या कम होने के कारण उनकी विभिन्न समस्याओं को अधिकारी या उनके वकील तक उनकी बातो को पहुंचाने के लिए जिला विधिक प्राधिकरण की ओर से एक पैरा लीगल वारंटियर नियुक्त करने का भी प्रावधान है।

बहादुर लड़की का कमाल... गणेश विसर्जन के दौरान चार दोस्त यमुना में डूबे, नदी में छलांग लगा बचाई जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में गणेश विसर्जन करने आए चार युवक यमुना नदी में डूब गए। घटना से यमुना घाट पर चीख-पुकार मच गई। चारों युवक गहरे पानी में डूबने लगे। अचानक एक लड़की ने नदी में छलांग लगा दी। उसने एक-एक कर चारों युवकों को नदी से बाहर निकाल उनकी जान बचाई। लड़की की बहादुरी को देख हर कोई उसकी तारीफ कर रहा है।

यमुना में डूबे चारों युवक आपस में दोस्त हैं। उन्हें बचाने वाली लड़की यमुना घाट स्थित मंदिर पर प्रसाद बेचती है। मंदिर कमेटी ने बहादुर लड़की को सम्मानित किया। नदी में डूबे चारों युवक फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। युवकों के सकुशल बचने पर परिजनों ने खुशी जताई। मामला आगरा के तीर्थ बटेश्वर के यमुना घाट का है।

बटेश्वर के यमुना घाट पर डूबे चार दोस्त

गणेश विसर्जन को लेकर मंगलवार को बटेश्वर के यमुना घाट पर बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। यमुना नदी में मूर्ति विसर्जित करने के लिए भक्तों की भीड़ जमा थी। फिरोजाबाद से भी मूर्ति विसर्जन के लिए भक्त आए हुए थे। अचानक फिरोजाबाद से आए चार दोस्त नदी में डूब गए। पहले 19 साल का आकाश यमुना नदी में उतरा, अचानक उसका पैर फिसला और वह पानी में बहने लगा। आकाश को डूबता देख उसे बचाने के लिए उसका 17 साल दोस्त हिमालय भी नदी में कूद पड़ा। उसे भी तैरना नहीं आता और वह भी डूबने लगा।

मोहिनी ने बहादुरी से बचाई जान

आकाश और हिमालय को डूबता देख उसके दो और दोस्तों ने नदी में छलांग लगा दी। लेकिन पानी में चारों डूबने लगे। यह देख वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। तभी घाट किनारे प्रसाद बेचने वाली 18 साल की मोहिनी नदी में कूद गई। उसने एक-एक क्र चारों युवकों को पानी से बाहर निकाला। मोहिनी की बहादुरी से चारों युवकों की जान बच गई। मोहिनी की बहादुरी देख वहां मौजूद लोगों ने इसकी सराहना की। बहादुर मोहिनी के साहस को मंदिर प्रबंधन ने सराहा और उसे सम्मानित किया।

एनआरसी में अति गंभीर कुपोषित बच्चों का हो रहा प्रभावी उपचार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। केस 1 – अलीगंज क्षेत्र निवासी 17 माह का आफान, जिसका वजन मात्र 6.30 किग्रा था । वह डायरिया और डिहाइड्रेशन से पीड़ति होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बलरामपुर अस्पताल स्थित पोषण पुर्नवास केंद्र (न्यूट्रीशन रिहेबिलिटेशन सेंटर यानी एनआरसी) में भर्ती कराया गया था जहाँ वह 16 दिन रहा और इस दौरान उपचार और उचित पोषण दिया गया जिससे उसका वजन बढ़कर 7.30 किग्रा हो गया । यह केस अति गंभीर कुपोषण का था जिसमें मुख्य कारण देर से ऊपरी आहार शुरू किया गया था ।

केस दो – एक माह का रचित जिसका वजन मात्र 1.7 किग्रा था जब एनआरसी में भर्ती हुआ । बच्चें का वजन जन्म के समय 2.5 किग्रा था । महीने भर में इतनी गिरावट की वजह बच्चें को स्तनपान नहीं कराया गया था । इसकी माँ द्वारा बच्चें को फार्मूला

मिल्क दिया जा रहा था उसमें पानी की मात्रा ज्यादा थी ।

एनआरसी के नोडल अधिकारी और बाल रोग विशेषज्ञ डा. देवेंद्र सिंह बताते हैं कि बच्चों में कुपोषण का कारण छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान न कराना, अनुचित व अत्यधिक मात्रा में पानी मिला दूध, बोतल से दूध पिलाने और समय से ऊपरी आहार न शुरू करना व संक्रमण हैं। उपरोक्त केस में भी यही समस्या रही है । बच्चों में संक्रमण जैसे कि न्यूमोनिया, डायरिया, सेप्टीसीमिया, जन्म के समय कम वजन और समय से पूर्व बच्चे का जन्म आदि शिशु व बाल मृत्यु दर का मुख्य कारण होते हैं।

शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 28 दिन से पाँच साल तक के उन बच्चों को जो अति गंभीर कुपोषण के साथ डायरिया या निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित होते हैं उनके इलाज के लिए बलरामपुर जिला अस्पताल में 10 बेड का एनआरसी स्थापित है ।

एनआरसी में इलाज के दौरान बच्चे को एंटीबायोटिक्स के साथ ओआरएस का घोल व सूक्ष्म पोषक तत्व भी दिए गए जाते हैं जिसके कारण बच्चे के वजन में 14 दिनों के भीतर अपेक्षित बढ़ोत्तरी होती है । एनआरसी में न केवल अति गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति में सुधार किया जाता है बल्कि माताओं को जन्म के तुरंत बाद स्तनपान कराने, छह माह तक केवल स्तनपान कराने और छह माह बाद स्तनपान के साथ पूरक आहार शुरू करने के बारे में भी जागरूक किया जाता है । इसके साथ ही उन्हें बताया जाता है कि खाना बनाते व खाना खिलाते समय सफाई का पूरा ध्यान रखें। इसके साथ ही दो साल तक स्तनपान जरूर कराएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पहले खाना खिलाएं और बाद में स्तनपान कराएं।

यहाँ से डिस्चार्ज करने के बाद भी 15-15 दिनों पर लगातार दो माह तक बच्चे का फॉलोअप किया गया।

अति गंभीर कुपोषित बच्चों की स्क्रीनिंग समुदाय में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम के द्वारा की जाती है।

भर्ती बच्चे के परिजन को मिलते हैं 50 रुपये रोजाना

एनआरसी की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की गाइडलाइन के अनुसार यहाँ भर्ती बच्चों को इलाज मुहैया कराने के साथ आहार भी दिया जाता है। इस दौरान बच्चे की माँ या उसके किसी एक देखभाल करने वाले को 50 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से श्रमह्रास भी दिया जाता है। बच्चे के चार फॉलोअप के लिए प्रति फॉलोअप 140 रुपये दिये जाते हैं।यह राशि सीधे उनके खाते में भेजी जाती है।

एनआरसी में कार्यरत डा. पवन गौतम बताते हैं कि बच्चों के जीवन में स्वास्थ्य एवं पोषण में गहरा सम्बन्ध है। अच्छा व संतुलित पोषण ही एक अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का आधार है तथा यह बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है। पोषक तत्वों के अभाव में व्यक्ति का शरीर कमजोर होने लगता है और भिन्न-भिन्न बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। पोषण का आधार उसके जन्म से पूर्व (गर्भकाल) से ही आरम्भ हो जाता है अर्थात यदि मां कुपोषित है तो बच्चे का वजन भी जन्म के समय कम हो जाता है और उसका विकास भी ठीक तरह से नहीं हो पाता है । कुपोषित बच्चों में मृत्यु का खतरा सामान्य बच्चों की अपेक्षा अधिक होता है ।

डा. सरफराज खान बताते हैं कि अति गंभीर कुपोषित बच्चों में हाइपोग्लाईसीमिया और हाईपोथर्मिया का खतरा होता है । जिससे कि कभी-कभी बच्चे की मृत्यु भी हो सकती है

बोतल से दूध न पिलायें

बाल रोग विशेषज्ञ डा. अनिमेष कुमार बताते हैं कि कुपोषित बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता बहुत कम होती है। ऐसे बच्चों को गंभीर डायरिया और निमोनिया होने की संभावना ज्यादा होती है। इस वित्तीय वर्ष यानी अप्रैल 2024 से अगस्त माह तक 264 बच्चों का इलाज हो चुका है ।

क्या कहते हैं आंकड़े

डा. मोहनिश रावत के अनुसार नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार लखनऊ में 11.5 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जिनका वजन उनकी लंबाई के अनुपात में कम है, 1.4 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जिनका वजन उनकी लंबाई के अनुपात में बहुत कम है तथा 25.5 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जिनका वजन उनकी आयु के अनुपात में कम है।

डा. फातिमा का कहना है कि बच्चों को बोतल से दूध नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बना रहता है । डिब्बाबंद दूध या दूध में पानी मिलाकर नहीं देना है और उसे खुद से खाना खाने के लिए प्रेरित करना है। इंडियन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स के अनुसार डायरिया में ओआरएस के साथ जिंक की गोली देना आवश्यक होता है ।

एनआरसी पर यह सभी उपचार, देखरेख तथा व्यवस्था बलरामपुर प्रशासन की देख रेख में होता है ।

बेटियों के साथ दरिंदगी करने वालों का गैंग बन चुकी है सपा: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ/गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा बेटियों के साथ दरिंदगी करने वालों का गैंग बन चुकी है। पिछले कुछ दिनों में बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले जितने भी दरिंदे पकड़े गए हैं, उन सबके संबंध समाजवादी पार्टी से हैं। उन्होंने कहा कि अपने संस्कार के अनुरूप सपा के नेता भारत की धर्म और संस्कृति के प्रतीक धर्माचार्यों को माफिया बोल रहे हैं। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा भस्मासुर हैं, जब भी जनता ने इन्हें शक्ति प्रदान की इन्होंने उसी शक्ति का दुरुपयोग जनता की आस्था पर प्रहार करने के लिए किया।

सीएम योगी बुधवार को गाजियाबाद के रामलीला ग्राउंड घंटाघर में आयोजित वृहद रोजगार मेला के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 10,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र, 632 लाभार्थियों को ₹327 करोड़ से अधिक का ऋण एवं 6,000 से अधिक युवाओं को टैबलेट/स्मार्टफोन का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में आयोजित हो रहे रोजगार मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन रोजगार को एक नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को आज भी 2017 के पहले की सरकारों की कारगुजारियां याद आती हैं।

सीएम योगी ने कहा कि माफिया और दंगाई विपक्षियों की कमाई का जरिया थे, जब किसी की कमाई पर हमला होता है तो उसका गैंग लीडर उग्र हो जाता है। फिर वह सामान्य शिष्टाचार को भूलकर अनर्गल प्रलाप करने लगता है। माफिया और दंगाई के गायब होने से आज उनके आका परेशान हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस जाति के नाम पर वर्ग संघर्ष कराकर दंगाइयों को लूटपाट करने की छूट देंगे। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार समाजवादी पार्टी के इस मॉडल को ध्वस्त करने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन वर्ष उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। तीन वर्ष में उत्तर प्रदेश को देश में नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनाना है।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले केंद्र की कांग्रेस सरकार हिंदुओं को दबाने के लिए कानून बना रही थी। रामसेतु को तोड़ने की योजना पर कार्य कर रही थी। अयोध्या में राम मंदिर बनने के मार्ग में बाधक बन रही थी। कश्मीर में उग्रवाद को पनपा रही थी। देश की सुरक्षा में सेंध लगा रही थी। वहीं 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में सपा भी कांग्रेस के नक्शेकदम पर चल रही थी। गुंडागर्दी और अराजकता चरम पर थी। हर दूसरे दिन प्रदेश में कहीं न कहीं दंगे होते थे। उन्होंने कहा कि दुर्दांत अपराधी, वन माफिया, पशु माफिया और भू-माफिया के सामने सपा के नेता घुटने टेककर नाक रगड़ते थे।

सीएम योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें प्रदेश के युवाओं का शोषण करती थीं। उनके कार्यकाल में किसान आत्महत्या के लिए मजबूर थे और व्यापारियों को पलायन करना पड़ता था। सपा के कारण ही कैराना और कांधला से हिंदू व्यापारियों को पलायन करना पड़ा था। बेटी की सुरक्षा खतरे में पड़ गई थी। उन्होंने कहा कि आज नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में बेटी भी सुरक्षित है और व्यापारी का सम्मान होता है। युवाओं के लिए रोजगार है तो किसान भी आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि अगर किसी ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो उसके भविष्य के साथ सरकार खिलवाड़ करेगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई युवाओं के सपने में रोड़ा बनने का कार्य करेगा तो सरकार उस रोड़े को जड़ से उखड़कर फेंक देगी और उसकी संपत्ति को जब्त कर गरीबों में बांट देगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व भारत दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार साढ़े सात साल में साढ़े छह लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है। उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार 40 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे लगभग प्रदेश के डेढ़ करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत डबल इंजन सरकार अगले कुछ वर्षों के अंदर 10 लाख युवाओं को पहले पांच लाख और दूसरे चरण में 10 लाख रुपए का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने जा रही है।

शायरी के माध्यम से भी कांग्रेस और सपा पर किया हमला

सीएम योगी ने अपने संबोधन में शायरी के माध्यम से भी कांग्रेस और सपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि- नजर नहीं है नजारों की बात करते हैं, जमीं पे चांद-सितारों की बात करते हैं। वो हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले, भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं...। सीएम योगी ने आगे कहा कि कांग्रेस और सपा ने उत्तर प्रदेश को सिर्फ लूटा है। आज दो लड़कों की जोड़ी प्रदेश को गुमराह करने के लिए आई है। अपने परिवार के सिवाय इन्होंने किसी का कभी हित नहीं किया है।

साढ़े सात वर्ष में बदली गाजियाबाद की तस्वीर

सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष पहले गाजियाबाद में गंदगी का अंबार था, अराजकता थी, माफिया की समानांतर सरकार चलती थी, गुंडा टैक्स वसूला जाता था। वहीं डबल इंजन सरकार में आज गाजियाबाद स्मार्ट सिटी बन चुका है। आज यहां 12 लेन का हाइवे है। देश की पहली रैपिड रेल और मेट्रो है, जल्द ही एम्स दिल्ली का सेटेलाइट सेंटर यहां शुरू करने जा रहे हैं। आज गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का पोटेंशियल बनता जा रहा है, जहां निवेश, रोजगार और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर सब कुछ है। गाजियाबाद दुग्धेश्वर महादेव का सुंदरीकरण किया गया है।

कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा, व्यावसायिक शिक्षा के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह, सांसद अतुल गर्ग, पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, महापौर सुनीता दयाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए सीएम योगी ने जताया पीएम मोदी का आभार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कैबिनेट का आभार जताया। सीएम योगी ने इस निर्णय को देश में राजनीतिक स्थिरता, सतत विकास और समृद्ध लोकतंत्र के लिए 'मील का पत्थर' करार दिया। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, 'एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए राजनीतिक स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव को दी गई मंजूरी अभिनंदनीय है। देश में राजनीतिक स्थिरता, सतत विकास और समृद्ध लोकतंत्र की सुनिश्चितता में यह निर्णय 'मील का पत्थर' सिद्ध होगा। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार।' उल्लेखनीय है कि देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) करवाने के प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में इससे संबंधित विधेयक पेश कर सकती है।

हिन्दू महासभा त्रिदंडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत हुए दुर्गेश राय

लखनऊ। अखिल भारत हिंदू महासभा त्रिदंडी ने प्रबुद्ध प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश राय को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा भावना सिंह को राष्ट्रीय मंत्री के साथ हिन्दू महिला महा सभा उत्तर प्रदेश की कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है जबकि रेनू सिंह को हिन्दू महिला महा सभा बस्ती का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी कार्यालय के प्रभारी प्रमोद त्रिवेदी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने दुर्गेश राय को एवं रेनू सिंह तथा भावना सिंह को मनोनयन पत्र जारी किया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला ने नवनियुक्त मनोनीत पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में हिन्दू महासभा तेजी के साथ आगे बढ़ रही है और जल्द ही राष्ट्र एवं प्रदेश के अन्य जगहों पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास यूपी का पहला सेमीकंडक्टर पार्क विकसित करेगी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का हब बनाने की दिशा में योगी सरकार ने उठाया महत्वपूर्ण कदम

» **यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर 10 और 28 में स्थापित किए जाएंगे दो सेमीकंडक्टर क्लस्टर्स**

» **सेमीकंडक्टर पार्क के लिए सेक्टर 10 में 200 एकड़, जबकि सेक्टर 28 में 125 एकड़ भूमि की गई है चिन्हित**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। देश में पहली बार सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू कर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही योगी सरकार ने इस दिशा में एक और बड़ी पहल की है। इस पहल के तहत योगी सरकार यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अब उत्तर प्रदेश का पहला सेमी कंडक्टर पार्क स्थापित करने जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत सेक्टर 10 और सेक्टर 28 में सेमीकंडक्टर पार्क को स्थापित किए जाने की योजना है।

इस पहल के माध्यम से देश और दुनिया की बड़ी चिप निर्माता कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपने उद्यम लगाने के लिए आकर्षित होंगी। साथ ही, व्यापक पैमाने पर यूपी के युवाओं के लिए रोजगार का भी सृजन हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री लगाने के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित करने हेतु योगी सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर राहत प्रदान की जा रही है।

दो क्लस्टर्स किए जाएंगे स्थापित

सेमीकंडक्टर पार्क्स के साइलेंट फीचर्स की बात करें तो इसके तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने दो सेमीकंडक्टर क्लस्टर्स के लिए भूमि चिह्नित की है। पहली सेक्टर 10 में 200 एकड़, जबकि दूसरी सेक्टर 28 में 125 एकड़ भूमि शामिल है। इन दोनों क्लस्टर्स में यीडा 8 एमएलडी का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगी, जबकि 60 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)लगाया जाएगा। वहीं, क्लस्टर्स को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 400/200/132 केवी सबस्टेशन भी स्थापित किए जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त सेमीकंडक्टर पार्क्स में निवेश करने वाले उद्यमियों को मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी।

सेक्टर 10 और 28 में स्थापित होने वाले इन क्लस्टर्स की नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दूरी मात्र 4 किमी. की है, जिससे कॉर्गो मिनटों में यहां पहुंच सकेगा और निवेशकों और विदेशी बायर्स को यहां आने-जाने में कोई समस्या नहीं होगी। इसके अलावा, यहां रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की भी सुविधा जल्द शुरू होगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार से डीपीआर के अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल की योजना है, जिसका एक स्टेशन नोएडा एयरपोर्ट भी होगा। इसके अतिरिक्त यमुना एक्सप्रेसवे में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का इंटरचेंज भी बन चुका है, जो इन बड़े शहरों से भी कनेक्टिविटी को आसान बनाएगा।

सेमीकंडक्टर नीति लागू कर उद्योगों को दिया जा रहा प्रोत्साहन

उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की असीम संभावनाएं हैं। योगी सरकार ने निवेशकों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए प्रदेश में पहली बार सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की गई है। यूपी सेमीकंडस्टर नीति के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कैपिटल सब्सिडी पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त कैपिटल सब्सिडी का प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त पॉलिसी में कंपाउंड सेमीकॉन्डस्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर/एटीएमपी/ओएसएटी के लिए 75% की लैंड रिबेट भी प्रदान की गई है। वहीं डुएल ग्रिड नेववर्क के साथ ही 10 वर्षों के लिए इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में शत प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, 25 वर्षों के लिए अंतर्राज्यीय बिजली खरीद, ट्रांसमिशन और व्हीलिंग शुल्क 50 प्रतिशत की छूट, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट और प्रति वर्ष 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी (अधिकतम 7 करोड़ रुपए) दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है।

120 इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगी योगी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बेड़े में 120 इलेक्ट्रिक बसों (100 के अतिरिक्त) के शामिल करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जल्द ही विभाग की तरफ से निविदा की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह बसें अलीगढ़, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या एवं गोरखपुर क्षेत्र में संचालित की जायेंगी। इलेक्ट्रिक बसें सुविधायुक्त, अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होंगी। अलीगढ़-मुरादाबाद क्षेत्र में 30-30 इलेक्ट्रिक बसें, लखनऊ, अयोध्या एवं गोरखपुर क्षेत्र में 20-20 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जायेंगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के मुताबिक अलीगढ़ क्षेत्र में अलीगढ़- नोएडा वाया जेवर 10, अलीगढ़-बालाबागड़-फरीदाबाद 04, अलीगढ़-मथुरा 04, अलीगढ़-कौशाम्बी वाया खुर्जा 08, अलीगढ़-डिबाई-अनूपशहर-संभल-मुरादाबाद रूट पर 4 बसें संचालित होंगी। इसी प्रकार मुरादाबाद क्षेत्र में कुल 30 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जायेगी। मुरादाबाद-कौशाम्बी रूट पर 10, मुरादाबाद-मेरठ रूट पर 06, मुरादाबाद-नजीबाबाद कोटवार रूट पर 04, कटघर-बरेली रूट पर 02, कटघर-हल्द्वानी रूट पर 04, कटघर-अलीगढ़ रूट पर 02 एवं कटघर-रामनगर रूट पर 02 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जायेगा। लखनऊ क्षेत्र में न्यू बाराबंकी स्टेशन-अवध बस स्टेशन रूट पर 20 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जायेगी। इसी प्रकार अयोध्या क्षेत्र में अयोध्या-लखनऊ रूट पर 04, अयोध्या-गोरखपुर रूट पर 04, अयोध्या-प्रयागराज-गोण्डा रूट पर 06 एवंअयोध्या-सुलतानपुर-वाराणसी रूट पर 06 बसों का संचालन किया जायेगा। अयोध्या क्षेत्र में भी 20 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जायेगी।

यीडा क्षेत्र में 500 करोड़ का होगा निवेश, 5000 लोगों को मिलेगा रोजगार

» **प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश को धरातल पर उतारने की योगी सरकार की मुहिम का दिख रहा असर**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में निवेश को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को ई ऑक्शन के माध्यम से बड़ी धनराशि की बिड हासिल की है। 1000 वर्ग मीटर के कुल 45 भूखंडों के लिए सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस ई ऑक्शन के जरिए यीडा क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए का निवेश संभव हो सकेगा। यही नहीं, परियोजनाओं के क्रियाशील होने पर यहां 5000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। इससे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के विकास में भी गतिशीलता आएगी। उल्लेखनीय है कि यीडा क्षेत्र में योगी सरकार विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूखंड उपलब्ध करा रही है। इसमें विभिन्न औद्योगिक समूह अपनी रुचि दिखा रहे हैं।

2.50 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था रिजर्व बिड प्राइज

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने मंगलवार को संस्थागत भूखंडों की योजना के तहत ई ऑक्शन का आयोजन किया। इसके तहत यीडा क्षेत्र में कॉर्पोरेट ऑफिस के लिए 1000-1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के कुल 45 भूखंडों को सम्मिलित किया गया था। इसमें प्रत्येक भूखंड के सापेक्ष रिजर्व प्राइज 2.50 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था। इस प्रकार 45 भूखंडों के सापेक्ष कुल बिज प्राइज लगभग 112.50 करोड़ रुपए थी। ई ऑक्शन के दौरान 112.50 करोड़ रुपए की बिड प्राइज के सापेक्ष प्राधिकरण को 265.14 करोड़ की धनराशि प्राप्त होगी जो कि कुल बिड प्राइज से 152.64 करोड़ रुपए ज्यादा है। यह बिड प्राइज का 134 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि यीडा क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना के साथ ही यहां कॉर्पोरेट ऑफिस खोले जाने के लिए भी औद्योगिक समूह किस कदर लालायित हैं।

3 भूखंडों से हुई 80.76 करोड़ रुपए की कमाई

इस योजना के तहत कॉर्पोरेट ऑफिस के तीन भूखंड ऐसे रहे, जिसकी बिड प्राइज से लगभग 12 गुना रेट पर बिड लगी है। इनमें प्लॉट नंबर 64 के लिए चैलेंजर कंप्यूटर लि. ने 28.28 करोड़ रुपए की बिड लगाई तो वहीं, एलेक्सिस ग्लोबल प्रा. लि. ने प्लॉट नंबर 69 के लिए 26.64 करोड़ रुपए की बिड प्राइज ऑफर की। इसी तरह, सानाश इंपेक्स प्रा. लि. ने प्लॉट नंबर 59 के लिए 25.84 करोड़ रुपए की बिड लगाई है। ई ऑक्शन के दौरान सिर्फ इन तीन भूखंडों के माध्यम से ही यीडा को 80.76 करोड़ रुपए प्राप्त हो रहे हैं। यह कुल बिड प्राइज का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। यीडा के अधिकारी इस बिड से काफी खुश हैं और उन्होंने उम्मीद जताई है कि इन कॉर्पोरेट ऑफिस के माध्यम से बड़े पैमाने पर क्षेत्र में निवेश होगा और हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा।

फलों, सब्जियों की उपज बढ़ाने को योगी सरकार की नायाब पहल

हाईटेक पौधशालाओं में वाजिब दाम पर मिलेंगे निरोग और गुणवत्ता के पौधे

» **अब तक तैयार हो चुकी हैं 36 हाइटेक पौधशालाएं**

» **फलों और सब्जियों की खेती से रोजगार के साथ पोषण सुरक्षा भी मिलेगी**

फलों और सब्जियों की खेती से रोजगार के साथ पोषण सुरक्षा भी मिलेगी

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि पर ही आधारित है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में फलों और सब्जियों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैज्ञानिक स्तर पर यह साबित हो चुका है कि फल और सब्जियां प्रति हेक्टेयर पर स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार के मौके उपलब्ध कराती हैं। प्रसंस्करण को जोड़ दिया जाय तो यह संख्या और अधिक हो जाती है। चूंकि इनमे विटामिंस और फाइबर प्रचुर मात्रा में मिलते हैं, इसलिए पोषण सुरक्षा में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। इन सबमें इन हाईटेक पौधशालाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। फलों और सब्जियों की उपज बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने एक और नायब नायाब पहल की है। इससे न केवल सब्जियों और फलों की उपज बढ़ेगी, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी सुधरेगी।

नोएडा और गाजियाबाद को छोड़ हर जिले में बनेंगी हाईटेक पौधशालाएं

इसके लिए योगी सरकार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और गाजियाबाद को छोड़ बाकी 73 जिलों में हाईटेक नर्सरी (पौधशाला) बनाएगी। संबंधित जिले के कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) के अनुसार फलों और सब्जी की कौन सी प्रजातियां वहां के अनुकूल हैं, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जिन विश्विद्यालयों से ये केवीके संबद्ध हैं और उद्यान विभाग मिलकर इसका निर्णय लेंगे।

अब तक तैयार हो चुकी हैं 36 पौधशालाएं

मिली जानकारी के अनुसार ये पौधशालाएं मनरेगा की मदद से बनेंगी। अब तक ऐसी 36 पौधशालाएं तैयार हो चुकीं हैं। शीघ्र ही 16 और पर काम चलेगा। इन हाईटेक पौधशालाओं में पौधे को नियंत्रित तापमान और नमी में तैयार किया जाता है। लिहाजा ये पौधे निरोग होते हैं। ऐसे में इनके रोपण से उपलब्ध सब्जियों और फलों की उपज तो अधिक होती ही है। गुणवत्ता में भी ये बेहतर होती हैं। लिहाजा इनके दाम भी वाजिब मिलते हैं। उत्पाद का सही दाम मिलने से किसानों और बागवानों की आय बढ़ेगी। किसानों और बागवानों के हित में योगी और मोदी सरकार की जो भी योजनाएं चल रहीं हैं उनका अंतिम लक्ष्य भी यही है।

प्रदेश में फलों और सब्जियों की खेती की संभावनाएं

नौ तरह के एग्रो क्लाइमेटिक जोन होने के कारण उत्तर प्रदेश में हर तरह के फलों और सब्जियों की खेती की संभावना है। प्रदेश की कुल भूमि का करीब 77% खेती योग्य है। खेती योग्य भूमि का करीब 85% सिंचित है। सबसे अधिक आबादी के रूप में श्रम शक्ति और बाजार भी उपलब्ध है। इस सबकी वजह से यहां फलों और सब्जियों की खेती की भरपूर संभावना है।

निर्यात की संभावना भी बढ़ेगी

योगी सरकार का कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी खासा जोर है। एक्सप्रेस वे का संजाल, जेवर, अयोध्या और कुशीनगर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रयागराज से बाया वाराणसी पश्चिमी बंगाल के हल्दिया तक का देश का इकलौता जलमार्ग इन संभावनाओं को और बढ़ा देता है। भविष्य में योगी सरकार की योजना इस जलमार्ग का विस्तार अयोध्या तक करने की है। सरकार जिस तरह दादरी, गोरखपुर सहित 13 जिलों में कार्गो हब बनाने की तैयारी कर रही है उससे इनके निर्यात की संभावना और बढ़ जाएगी।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में हुआ हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 18 अगस्त को हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित शिहंदी पखवाड़ाश के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अधिकारी,कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के लिए हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों में विश्वविद्यालय हिन्दी अधिकारी डॉ. शिवकुमार त्रिपाठी एवं हिन्दी अनुवादक श्रीमती संध्या दीक्षित सम्मिलित हैं। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने हिंदी टाइपिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को आयोजित कराने का मुख्य उद्देश्य लोगों को अपनी मातृभाषा के प्रति जागरूक करना है, जिससे वह अपनी मातृभाषा की महत्ता को समझे और स्वयं को वैश्विक स्तर पर भी गौरवान्वित महसूस करें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

नाकाम प्रचार तंत्र से उपजी है ज़ुबान काटने की धमकी

चार राज्यों के होने जा रहे चुनाव खासा महत्व रखते हैं। इसके लिये जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है, महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी इसी साल चुनाव होंगे। सभी में भाजपा पराजय की कगार पर खड़ी दिखलाई दे रही है। जे एंड के में कांग्रेस का नेशनल कांफ्रेंस से गठबन्धन हुआ है तो वहीं हरियाणा में भी वह आगे चल रही है।

अमेरिका से राहुल गांधी लौटे ही हैं कि उनके खिलाफ़ भारतीय जनता पार्टी के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है। जिस प्रकार से राहुल भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई मुद्दों को लेकर हमलावर हैं, उससे मोदी के समर्थकों का नाराज़ होना स्वाभाविक है ही, लेकिन जिस तरह की भाषावली का इस्तेमाल भाजपा के विभिन्न नेता राहुल के खिलाफ कर रहे हैं, उसे किसी भी तरह से लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। तथ्यों का जवाब तथ्यों से दिया जा सकता है; और भाजपा के पास तो बेहतर तथा संगठित प्रचार तंत्र है- सरकारी, भाजपा का आईटी सेल तथा विशालकाय ट्रोल आर्मी। फिर भी अगर भाजपा का कोई नेता राहुल की ज़ुबान काटने वाले को 11 लाख रुपये का ईनाम देने की घोषणा करता है तो समझ लेना चाहिये कि यह सारा ही प्रचार तंत्र ध्वस्त हो गया है। उसी बदहवासी और बौखलाहट में राहुल पर हमले तेज़ हो गये हैं। भाजपा की परेशानियां तभी से शुरू हो गयी थीं जब सितम्बर, 2022 के पहले हफ्ते में राहुल ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की पैदल यात्रा निकाली थी। उसे भाजपा ने न सिर्फ हल्के में लिया था, वरन उसके हुल्लड़ी ग्रुप ने इसका मज़ाक उड़ाया था और कई तरह की बेढंगी बातें भी कही थीं। किसी ने पहले अपनी पार्टी को जोड़ने फिर देश को जोड़ने की सलाह दी थी, तो किसी ने राहुल द्वारा स्वामी विवेकानंद का अपमान करने की बात कही। इन सबसे पार पाते हुए राहुल ने न सिर्फ करीब 4 हजार किलोमीटर नाप दिये बल्कि 14 जनवरी से 16 मार्च, 2023 तक न्याय यात्रा भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। हालांकि पहली यात्रा के बीच ही उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ तगड़ी मोर्चेबन्दी कर ली थी। सड़क मार्ग से होते हुए जब तक वे 17वीं लोकसभा के आखिरी-आखिरी दौर के सत्र में पहुंचे तो जो भाजपा उन्हें हल्के में ले रही थी या उनकी एक खास तरह की छवि भारी-भरकम पैसा फेंककर बना चुकी थी, सतर्क हो गयी। इन यात्राओं में राहुल ने मोदी सरकार के खिलाफ तो विमर्श गढ़ा ही, भाजपा को कई मामलों में पीछे ढकेल दिया। राहुल की इस यात्रा ने कांग्रेस को पुनर्जीवित किया, साथ में विपक्षी गठबन्धन भी बनाया।

भाजपा ने संसद में राहुल और कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से नहीं वरन अनैतिक तरीके से नुकसान पहुंचाना शुरू किया। उनके भाषणों के अंश काटे जाते रहे या उनका माइक बन्द किया जाता रहा। उनके खिलाफ कभी प्रवर्तन निदेशालय के मामले में लम्बी पूछताछ कराई गई तो कभी अवमानना का मामला फिर से जिन्दा किया गया। उन सभी बाधाओं से बाहर निकलते हुए राहुल ने पिछले लोकसभा चुनावों में न केवल अपनी पार्टी की ताकत लोकसभा में दोगुनी करके दिखाई वरन एक मजबूत विपक्ष भी मोदी के सामने खड़ा कर दिया। लोकसभा में इस तरह का हश्र हो सकता है, इसका अनुमान भाजपा को पहले से होने लगा था। इसलिये मोदी समेत उनसे सारे नेताओं की ज़ुबान बेहद ज़हरीली हो चली थी। इसी नफ़रती शब्दावली के बल पर मोदी न केवल विपक्ष को अपमानित करते रहे बल्कि अपने भाषणों से धुरवीकरण भी करते चले गये। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हुए छत्तीसगढ़. मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा को मिली बम्पर जीत ने भाजपा के चेहरे पर मुस्कान तो लौटा दी थी और उसे यह आशा हो चली थी कि 2019 से भी उसका बेहतर प्रदर्शन रहेगा। इसी के भरोसे मोदी ने 370 व 400 पार का नारा दिया जो कि अंततः जबरन फुलाया गया गुब्बारा साबित हुआ। भाजपा 303 से 240 पर उतर आई। चुनाव के ऐन पहले इंडिया गठबन्धन को धोखा देने वाले नीतीश कुमार की जनता दल यूनाईटेड के 16 तथा चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी के 12 सदस्यों ने मोदी को तीसरी बार पीएम की कुर्सी तो दिला दी, लेकिन वह सतत डोल रही है।

ऐसे माहौल में चार राज्यों के होने जा रहे चुनाव खासा महत्व रखते हैं। इसके लिये जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है, महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी इसी साल चुनाव होंगे। सभी में भाजपा पराजय की कगार पर खड़ी दिखलाई दे रही है। जे एंड के में कांग्रेस का नेशनल कांफ्रेंस से गठबन्धन हुआ है तो वहीं हरियाणा में भी वह आगे चल रही है। भाजपा के प्रति लोगों की नाराजगी इस कदर है कि वहां 50 से ज्यादा विधायक, पूर्व विधायक, नेता आदि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ही, वहां भाजपा ने जिस प्रकार से ऑपरेशन लोटस के जरिये उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई और शिवसेना तथा नेशनल कांग्रेस पार्टी को तोड़ा, उसके चुनाव चिन्ह छीन लिये, उसके चलते लोगों में भाजपा के प्रति बेकदर नाराज़गी है। ऐसा समझा जाता है कि विधानसभा चुनाव को लेकर भी यहां भाजपा बड़ी परेशानी में है।

भविष्य के लिए खतरनाक है शासन का 'एनकाउंटर मॉडल'

20 मार्च, 2017 से सितंबर, 2024 के बीच एनकाउंटर में कुल 207 अपराधी मारे गए और 17 पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। लगभग सात सालों की इस अवधि में यूपी पुलिस ने कुल 12964 एनकाउंटर किए।

संदीप सिंह

आज उत्तर प्रदेश आईटी, विनिर्माण या ऑटोमोबाइल का केंद्र होने की बजाय सस्ते श्रम का कारख़ाना है जहां के मजदूरों की मार्मिक कथाएं पूरे देश और दुनिया में बिखरी हुई हैं। भविष्य के लिए कोई तैयारी नहीं की गई। न खेती किसानी में नवोन्मेष लाया गया, न ही स्किल और गुणवत्ता बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया, न वस्तुओं के उत्पादन पर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 28 अगस्त को दिनदहाड़े हुई डकैती में शामिल एक आरोपी मंगेश यादव का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। डकैती के मुख्य आरोपी का नाटकीय ढंग से सरेंडर, तीन के पकड़े जाने और एक आरोपी के एनकाउंटर के बाद पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मंगेश के परिवार का आरोप है कि पुलिस उन्हें घर से उठा कर ले गई थी। दो दिन कस्टडी में रखा और फिर मार दिया। प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आई है, गवर्नेंस में एक 'गन कल्चर' शुरू हुआ है। इसे आप भाजपा का 'ठोंक दो' मॉडल कह सकते हैं। आप आए दिन मुख्यमंत्री के मुंह से 'मिट्टी में मिला दूंगा' जैसे हिंसक और गैरकानूनी जुमले सुन सकते हैं। इसका नतीजा प्रदेश में ताबड़तोड़ एनकाउंटर के रूप में सामने है, जिसपर सवाल ही सवाल हैं।

20 मार्च, 2017 से सितंबर, 2024 के बीच एनकाउंटर में कुल 207 अपराधी मारे गए और 17 पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। लगभग सात सालों की इस अवधि में यूपी पुलिस ने कुल 12964 एनकाउंटर किए। यानी प्रदेश में हर दिन औसतन 5 से ज्यादा एनकाउंटर की घटनाएं हो रही हैं और औसतन हर 13 दिन में एनकाउंटर के माध्यम से एक हत्या हो रही है।

अगर इन आंकड़ों को जातीय आधार पर देखें तो इनमें 67 मुस्लिम, 20 ब्राह्मण, 18 ठाकुर, 17 जाट और गुर्जर, 16 यादव, 14 दलित, 3 ट्राइब्स, 2 सिख, 8 अन्य ओबीसी और 42 अन्य जातियों के लोग शामिल हैं। इनमें लगभग 80प्रतिशत संख्या अल्पसंख्यक, खासकर मुस्लिमों और दलित पिछड़ों की है जो इस आरोप को बल देती है कि यूपी में जाति-धर्म के आधार पर, अमानवीय ढंग से राजनीतिक मकसद से एनकाउंटर किये जा रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल लगातार हो रहे एनकाउंटर के मकसद पर है। क्या इससे कानून व्यवस्था बेहतर हुई है? एनकाउंटर का सीधा मतलब है कि अपराधी ने पुलिस पर गोली चलाई और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर दिन कम से कम 5 मामलों में अपराधी पुलिस पर गोलियां चला रहे हैं और बदले में पुलिस गोलियां चला रही है? इसी एक तथ्य से 'यूपी में अपराधी थर-थर कांपते हैं' जैसे जुमलों और कानून-व्यवस्था की पोल खुल जाती है।

दूसरे, अगर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े देखें तो अपहरण, हत्या, रेप और महिलाओं के खिलाफ अपराध और गैंगरेप के मामलों में भी यूपी देश में सबसे ऊपर है। हिरासत में मौतें और एनकाउंटर के मामलों में भी यूपी सबसे ऊपर है।

कैसी विडंबना है कि देश के सबसे बड़े प्रदेश में बढ़ते अपराधों को नियंत्रित करने के लिए वही तरीका अपनाया जा रहा है जो अपराधी अपनाते हैं। कभी इसके तह में जाने की कोई बात नहीं होती कि आखिर युवा अपराध की तरफ क्यों मुड़ रहे हैं? क्योंकि प्रदेश में भयंकर बेरोजगारी है। यूपी का सिस्टम बंद पड़ा है। नेता-अधिकारी-ठेकेदार-दलाल गठजोड़ प्रदेश के संभावना पर ही कुंडली मारकर बैठा हुआ है। शिक्षा का स्तर बदतर है। भविष्य की कोई आशा नहीं है और किसी के हाथ में कोई काम नहीं है। एक गंभीर बीमारी, कोई दुर्घटना या शादी-विवाह का आयोजन जाने कितने परिवारों को कर्ज और गरीबी के दुश्चक्र में धकेल देता है। अगर तमिलनाडु जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य से यूपी की तुलना करें तो जनसंख्या की दृष्टि से यूपी तीन गुना बड़ा राज्य है। लेकिन तमिलनाडु का सकल राज्य घरेलू उत्पाद यूपी से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 में यूपी का सकल राज्य घरेलू उत्पाद, 24.39 लाख करोड़ और तमिलनाडु का 28.3 लाख करोड़ है।

दो दशक पहले, 2004-2005 के आंकड़े देखें तो यूपी की अर्थव्यवस्था का आकार तमिलनाडु की तुलना में 19 प्रतिशत ज्यादा था। यह स्थिति 2013-2014 तक बनी हुई थी। इसके बाद यूपी की अर्थव्यवस्था गिरनी शुरू हुई और आज तमिलनाडु से पीछे है। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार, 2023 में तमिलनाडु की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 75 हजार रही, जबकि यूपी की प्रति व्यक्ति आय मात्र 84 हजार रही।

इन तथ्यों से पता चलता है कि यूपी कहां खड़ा है। प्रदेश में जितने पारंपरिक व्यवसाय और उद्योग थे, मसलन- लकड़ी, होज़री, कपड़े, स्टील, चमड़ा, कांच, ताला, बुनकरी, हस्तशिल्प, बर्तन, आदि सब साल-दर-साल ढलान की ओर हैं। पिछले 30-40 सालों में आबादी के हिसाब से न तो उद्योग बढ़े, न नौकरियां-रोजगार बढ़े और न शिक्षा का स्तर बढ़ा। नोटबंदी और कोविड महामारी के दौरान जो नीतिनिर्मित आर्थिक तबाही आई, उससे यूपी भी अछूता नहीं रहा।

आज उत्तर प्रदेश आईटी, विनिर्माण या ऑटोमोबाइल का केंद्र होने की बजाय सस्ते श्रम का कारख़ाना है जहां के मजदूरों की मार्मिक कथाएं पूरे देश और दुनिया में बिखरी हुई हैं। भविष्य के लिए कोई तैयारी नहीं की गई। न खेती किसानी में नवोन्मेष लाया गया, न ही स्किल और गुणवत्ता बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया, न वस्तुओं के उत्पादन पर। जाति-धर्म और दिखावे की चाशनी में लिपटी उप्र की राजनीति मूर्तियों, पार्कों, मंदिरों-मस्जिदों और रिवरफ्रं टो-कॉरिडोरों की सीमित दिखावटी सोच के आगे न जा सकी। अपनी कुर्सी बचाने और येन केन प्रकारेण अगला चुनाव भर जीत लेने की सोच ने यूपी के भविष्य निर्माण की योजना पर ही ग्रहण लगा दिया। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि पिछले तीस वर्षों में प्रदेश के अंदर लगभग 30 नई राजनीतिक पार्टियों का तो गठन हुआ लेकिन वाक़ई 'बड़ी' कही जा सकने वाली एकमात्र औद्योगिक इकाई का नहीं!

सवाल है कि यूपी के युवाओं को दृष्टिहीन, दिशाहीन राजनीति, और लगभग आपराधिक हो चुकी अराजक कानून-व्यवस्था से क्या मिल रहा है? छह साल में दस हजार से ज्यादा एनकाउंटर करने वाली सरकार प्रदेश के युवाओं को छह लाख नौकरी भी नहीं दे पाई। जिस प्रदेश में युवाओं के पास कोई काम नहीं, कोई लक्ष्य नहीं, वे किधर जाएंगे? क्या यूपी के युवाओं के लिए भाजपा सरकार के पास कोई विजन है कि वह 25 करोड़ लोगों को कैसा भविष्य देना चाहती है?

धड़ाधड़ हो रहे एनकाउंटर का लक्ष्य असल में अपराध रोकना नहीं है। इसका लक्ष्य एक खास तरह के सामाजिक, राजनीतिक और जातीय वर्चस्व को कायम करना है। लेकिन सोचने की बात ये है कि कल को कोई दूसरा सत्ता में आए और राजनीतिक रतौंधी की यह परिपाटी जारी रखते हुए बदले की कार्रवाई को ही नीति बना ले तो कितनी मांओं की गोद फिर सूनी होंगी? बीजेपी के द्वारा ख़ास समूहों पर की जा रही अति कल उनपर वापस भी हो सकती है- इसी को एक्शन का रिएक्शन कहा जाता है। वर्चस्व और अहंकार की इस लड़ाई में पूरे प्रदेश को आग में झोंका जा रहा है। आज भी गरीब जनता शिकार बन रही है, कल भी इसके शिकार गरीब ही होंगे। प्रशासन के 'गन कल्चर' और 'ठोंक दो' नीति से किसी समस्या का समाधान संभव नहीं है। अपराध गोली चलाने से नहीं, कानून के इकबाल से रुकते हैं। यूपी में 'गन' का नहीं कानून का शासन बहाल किए जाने की जरूरत है।

अजब-गजब

कैसा दिखता है हमारा ब्रह्मांड, स्वर्ग से सीधा तस्वीर खींच लाया नासा

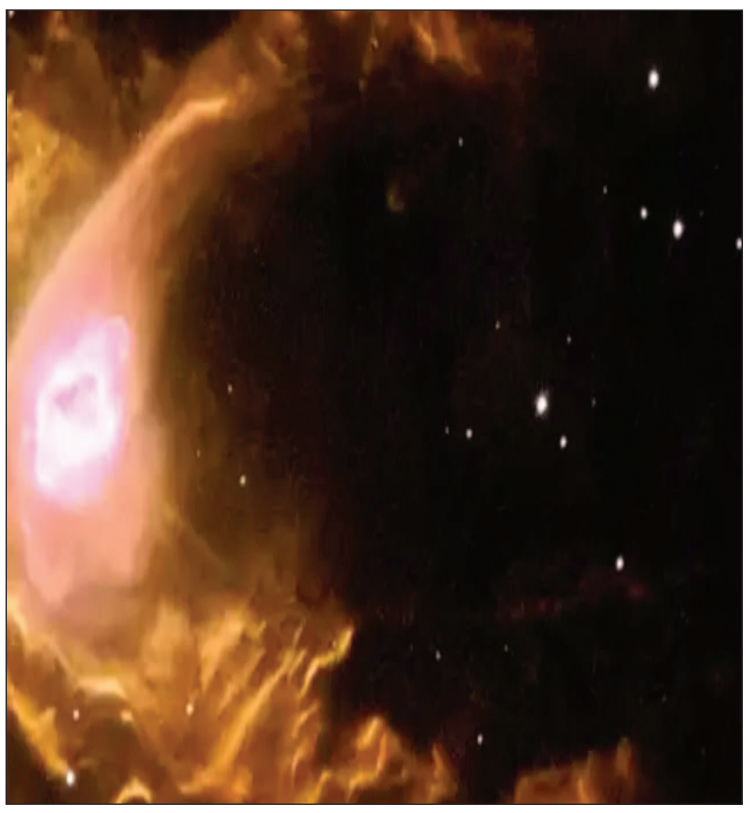

हमारी धरती जितनी ज्यादा दिलचस्प है, अंतरिक्ष उतना ही ज्यादा अजीब है। हमारा ब्रह्मांड ऐसा है कि जिसकी हम लोग कभी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। यही कारण है कि जब कभी ब्रह्मांड से जुड़ी तस्वीरें इंटरनेट पर आती है तो वह लोगों के बीच फौरन वायरल हो जाती है। इसी कड़ी में इन दिनों नासा की एक फोटो लोगों के बीच चर्चा में आई है। हाल के दिनों में एक ऐसी ही तस्वीर लोगों के बीच चर्चा में आई है। जहां नासा ने नेबुला की अद्भुत तस्वीरें शेयर की हैं।

ये बात तो हम सभी जानते हैं कि नासा अक्सर ब्रह्मांड की खूबसूरत तस्वीरें आए दिन सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। जिनके जरिए हम लोगों को यूनिवर्स की अलग-अलग झलक देखने को मिलती है। इसी कड़ी में नासा ने रेड स्पाइडर नेबुला की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की है। जिसे देखने के बाद आप लोग हैरान रह जाएंगे। बता दें कि ये गैस और डस्ट का एक बड़ा बादल है, जो अंतरिक्ष में तारों के बीच तैरता रहता है। यह नेबुला दिलचस्प है क्योंकि ऐसा लगता है कि इसमें साथी तारे या मैग्नेटिक फील्ड के प्रभाव से बना टू लॉब्ड स्ट्रक्चर है।

तस्वीरों में दिखाई दे रहा रेड स्पाइडर नेबुला काफी ज्यादा दिलचस्प है। ये एक प्लैनटरी नेबुला है जिसकी दूरी पृथ्वी से 3000 लाइट ईयर दूर है। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये हॉट स्टार में से एक है जो 62 अरब मील तक शॉक वेब बनाती है। इसका आकार मकड़ी की तरह है। नासा ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा कि प्लेनेटरी नेबुला की इस तस्वीर में गर्म गैस की नारंगी तरंगें हैं, वहीं बैकग्राउंड को रौशनी के सफेद बिंदुओं के साथ देखा जा सकता है।'

इस वीडियो को इंस्टा पर छह लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और कमेंट कर अपना रिएक्शन दिए जा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ' ये दिखने में बिल्कुल बेबी ड्रैगन की तरह लग रहा है।' वहीं दूसरे ने लिखा,' सच में जितनी खूबसूरत हमारी दुनिया है उतना ही खूबसूरत हमारा ब्रह्मांड भी है।' इसके अलावा और भी कई लोगों ने इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ब्लॉग

चुनौतियों को चुनौती देकर उन पर विजय हासिल करने वाले को नरेंद्र मोदी कहते हैं

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर चारों ओर से बधाइयों का तांता लगा हुआ है। हर कोई यही प्रार्थना कर रहा है भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य पूरा करने के लिए माँ भारती प्रधानमंत्री मोदी को और शक्ति व सामर्थ्य प्रदान करें। वर्ष 1950 में 17 सितंबर के दिन एक साधारण परिवार में जन्मे नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का सत्ता के शीर्ष पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि यदि व्यक्ति में दृढ़ इच्छा शक्ति और अपनी मंजिल तक पहुंचने का जज्बा हो, तो वह मुश्किल से मुश्किल हालात को आसान बनाकर अपने लिए नये रास्ते बना सकता है। हम आपको बता दें कि 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलायी थी। पांच बरस बाद 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर लोकसभा चुनाव जीता और उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की। इस साल नौ जून को उन्होंने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, जिसके बाद मोदी पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले व्यक्ति हो गए हैं। मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिन्होंने आजाद भारत में जन्म लिया था।

देखा जाये तो देश को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने वाले, देश को गुलामी की मानसिकता से निजात दिलाने वाले, मुश्किल से भी मुश्किल समय में देश को कुशल नेतृत्व देने वाले, बात महामारी की हो या आतंकवाद की...रणनीति और साहस के साथ उनका खात्मा करने वाले, विस्तारवादी ताकतों की सारी हेकड़ी निकालने वाले, देश को अगले 25 सालों के लिए नव-संकल्प दिलाकर सबको साथ लेकर, सबको विश्वास में लेकर आगे बढ़ाने वाले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व कौशल की आज पूरी दुनिया कायल है। 'मोदी है तो मुमकिन है', यह कोई महज चुनावी नारा नहीं बल्कि आश्वस्ति का वह भाव है जो देश की जनता के मन में है। देश की जनता सिर्फ इसी बात से निश्चिंत है कि मोदी हैं तो हमारे देश की संप्रभुता और अखण्डता को कोई आंच नहीं आ सकती। जनता बार-बार देख चुकी है कि 'कोई भारत को छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं' यह बात सिर्फ मोदी कहते भर नहीं हैं इसे समय-समय पर हकीकत भी बना कर दिखाते हैं।

गुजरात के वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले से लेकर वर्ल्ड स्टेज पर दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शुमार होने तक और एक बार फिर ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग में सबसे आगे रहने तक की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा बड़ी रोचक और प्रेरणादायक रही है। नरेंद्र मोदी इस मामले में पहले प्रधानमंत्री हैं जिसने गरीबी को सबसे करीब से देखा है। जिसकी माँ दूसरों के घरों में काम करती हो, जिसने खुद कभी रेलवे स्टेशन पर चाय बेची हो, जिसने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा दो जोड़ी कपड़ों में गुजारा हो, जिसने हिमालय की चोटियों पर बरसों संन्यासी के रूप में गुजारे हों, जिसने मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात को ऐसा चमकाया हो कि दुनिया भारत के इस राज्य की चकाचौंध से जुड़ने के लिए खुद आतुर हुई हो, जिसने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को गरीबी और निराशा की स्थिति से निकाला हो और जो देश को एकजुट कर 'नये भारत' और 'विकसित भारत' की परिकल्पना साकार करने के लिए निकल पड़ा हो, उस हस्ती का देश-दुनिया वंदन कर रही है। वाकई ऐसे जुझारू, कर्मठ, कर्तव्यनिष्ठ, भारत की संस्कृति के प्रचारक और राष्ट्रभक्त जनसेवक बिरले ही होते हैं। अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद की लगभग समाप्ति कर कश्मीरी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की बात हो या फिर पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद और कुछ राज्यों में आधार रखने वाले माओवाद पर काबू पाने की बात हो, मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में पूर्णतः शांति बनी हुई है और हर जगह सिर्फ कानून का राज है।

नरेंद्र मोदी को जनप्रतिनिधि के रूप में विभिन्न पदों पर रहते हुए 21 साल से ज्यादा समय हो चुका है लेकिन देखिये उनके पास अन्य नेताओं की तरह ना तो आलीशान बंगला है, ना ही बड़े-बड़े बैंक बैलेंस हैं और ना ही चमचमाती कारें हैं। हाँ, उनके पास भारत की जनता का प्यार जरूर है तभी तो चुनावों के समय जनता खुद ही नारा लगाती है- 'नमो नमो', 'मोदी मोदी', 'मोदी है तो मुमकिन है', 'हर हर मोदी घर घर मोदी' लेकिन भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने देश को जो बड़े नारे या फिर कहिये सूत्रवाक्य दिये वह हैं- 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास'। नरेंद्र मोदी ने अपने लिए बड़ा घर बनाने की जगह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिकॉर्ड संख्या में जरूरतमंदों के सिर पर छत प्रदान की। नरेंद्र मोदी ने सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्र या अपने गृहराज्य की चिंता करने की बजाय देश को समान रूप से विकास की ऐसी ढेरों परियोजनाएं प्रदान कीं जिससे नये भारत का निर्माण चारों ओर होता दिख रहा है।

भारत का पहला वॉर मेमोरियल, सेंट्रल विस्टा परियोजना, नया संसद भवन, नये संसद भवन में हमारा सेंगोल, भारत मंडपम, यशोभूमि आदि राष्ट्र इमारतें मोदी के कार्यकाल में ही साकार हुईं। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, स्वच्छ भारत, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, सीडीएस, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया अभियान, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के वादे भारत में बरसों से सुने जाते थे लेकिन यह सब साकार मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हुए। यही वह सरकार है जिसने उद्योगों को मजबूती प्रदान करने के लिए तमाम कदम उठाये, उद्योगों की स्थापना संबंधी प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया, मंजूरियां प्रदान करने की प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया, युवाओं को रोजगार पाने की जद्दोजहद में जुटने की बजाय उन्हें रोजगार प्रदान करने लायक स्थिति में पहुँचाने के लिए तमाम योजनाओं को पेश किया, कोरोना के कहर से देश को बचाने के लिए भारत में वैक्सीन के निर्माण को प्रोत्साहित भी किया तथा दुनिया में सबसे ज्यादा और तीव्र गति से वैक्सीन लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया, संकट के समय महीनों तक गरीब जनता को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया। यही नहीं ओलम्पिक, पैरालम्पिक और राष्ट्रमंडल खेलों के सभी पदक विजेताओं और प्रतिभागी खिलाड़ियों का हौसला प्रधानमंत्री ने निजी रूप से बढ़ाया। विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल करने वालों से बात कर उनका हौसला बढ़ाने की बात हो, युवाओं का विभिन्न अवसरों पर मार्गदर्शन करने की बात हो, छात्रों से परीक्षा पर चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाने की बात हो...नरेंद्र मोदी से पहले किसी प्रधानमंत्री ने यह काम नहीं किया।

भोलेनाथ के भक्त और काशी के जनसेवक मोदी ने रामनगरी अयोध्या में श्रीराम का दिव्य और भव्य मंदिर बनवा कर हिन्दुस्तान की जनता का सैंकड़ों वर्षों पुराना सपना साकार कर दिया तो मोदी सरकार के कार्यकाल में ही अल्पसंख्यक मंत्रालय ने मुस्लिमों के लिए इतनी योजनाएं पेश कीं कि आज यह वर्ग पहले की अपेक्षा ज्यादा पढ़ा-लिखा और संपन्न नजर आ रहा है। मोदी ने इस देश में बरसों से चल रही तुष्टिकरण की राजनीति को तो समाप्त किया ही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से भी मुक्ति दिलाई। आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन हो या फिर रक्षा बंधन या भैया दूज का त्योहार, मुस्लिम महिलाएं मोदी को भाई के रूप में राखी भेजती हैं, तिलक भेजती हैं। प्रधानमंत्री स्वयं कई बार अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबुद्ध लोगों से बात कर उनकी समस्याएं हल करने की दिशा में कदम उठा चुके हैं। यही कारण है कि देश में लोकसभा और विधानसभा की कई ऐसी सीटें हैं जो अल्पसंख्यक बहुल होने के बावजूद भाजपा के पास हैं। यह दर्शाता है कि मुस्लिमों को वोट बैंक के रूप में देखने वालों के दिन अब लद चुके हैं।

इस देश में दलितों और पिछड़ों को भी सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखा जाता था लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनकी सामाजिक और आर्थिक दशा में बड़े बदलाव आये हैं। सबको याद होगा कि प्रयागराज के कुंभ मेले में स्वच्छता कर्मियों के पैर खुद प्रधानमंत्री ने धोये थे और उन्हें सम्मानित किया था। कोई भी परियोजना साकार हो, मोदी उसमें लगे श्रमिकों का सम्मान करना कभी नहीं भूलते। कारीगरों और मजदूरों का काम पहले निर्माण के बाद खत्म समझा जाता था लेकिन मोदी के कार्यकाल में इन श्रमिकों को सम्मान मिल रहा है। यही नहीं, आज पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने का काम जितना नरेंद्र मोदी ने किया है उतना आजाद भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ। गांवों और किसानों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के लिए ना सिर्फ अनेकों योजनाएं पेश कीं बल्कि उनके क्रियान्वयन पर खुद निगाह भी रखी। गरीब किसानों की मदद के वादे तो पहले भी किये जाते थे लेकिन नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान योजना के जरिये ना सिर्फ उनकी आर्थिक मदद की बल्कि तमाम तरह की फसलों का एमएसपी समय-समय पर बढ़ाकर उन्हें और सशक्त भी किया।

मोदी भ्रष्टाचार, परिवारवाद जैसी बुराई का कचरा तो साफ कर ही रहे हैं साथ ही वह स्वच्छ भारत के लिए कितने गंभीर रहते हैं यह देश कई बार देख चुका है। गंदगी दिखे तो झाड़ू लगा देना, समुद्र तट पर जायें तो कचरा एकत्र कर उसे डस्टबिन में डालना और किसी परियोजना के उद्घाटन के समय सिर्फ रिब्बन ही नहीं काटना बल्कि कचरा दिखे तो उसे भी उठा देना...ऐसा सिर्फ आज तक एक ही प्रधानमंत्री ने करके दिखाया है। प्रधानमंत्री योग से निरोग रहने का संदेश ही नहीं देते उसे खुद भी जीवन में अपनाते हैं। सेना के किसी कार्यक्रम में जाते हैं तो सैन्य वर्दी को शान से पहनते हैं। मोदी से पहले किसी अन्य प्रधानमंत्री ने जनता से मन की बात अगर की थी तो सिर्फ चुनावों के समय की थी लेकिन मोदी हर महीने के अंत में रेडियो के माध्यम से अपने मन की बात रखते हैं। यही कारण है कि मोदी के मन से वाकिफ जनता उनके एक आह्वान पर उठ खड़ी होती है। मोदी ने कोरोना काल में जो-जो आह्वान किये देश की जनता उनसे जुड़ी, आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर मोदी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान का आह्वान किया तो देश के प्रत्येक नागरिक ने मिलकर उसे सफल बनाया। मोदी वैसे तो भारत के प्रधानमंत्री हैं लेकिन वह अपने काम से वैश्विक नेता की छवि रखते हैं। विदेशी रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मोदी की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग में उनके आसपास दुनिया का कोई नेता नहीं है। मोदी ने भारतीय विदेश नीति को जिस तरह आगे बढ़ाया है उससे पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। दुनिया के किसी भी कोने में संकट हो तो वह हल के लिए भारत की ओर देखता है। भारत में विपक्ष भले राजनीतिक मजबूरी के चलते मोदी की विदेश नीति की सराहना नहीं करे लेकिन दुनिया मोदी की नीतियों को सराह रही है।

इंजीनियर बेटे ने कराई खुद की किडनैपिंग, पिता से मांगी 50 लाख की फिरौती, खुली पोल

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा. 'खास' दोस्तों की संगत और 'खास' तरह का शौक आदमी से कुछ भी करा सकता है. विश्वास ना हो तो नोएडा की ये घटना देख लीजिए। यहां टीसीएस जैसी कंपनी में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को शराब और लड़की का चश्का लगा तो उसकी अपनी कमाई कम पड़ने लगी। उसने दोस्तों के साथ मिलकर खुद के अपहरण की साजिश रची और अपने ही पिता से 50 लाख रुपये की फिरौती मांग ली। हालांकि बार्गेनिंग करते करते सौदा 15 हजार रुपये में तय हुआ।

सौदे के तहत आरोपी के दोस्त इंजीनियर के पिता के पास रकम लेने पहुंच भी गए, लेकिन वहां तो पुलिस मौजूद थी। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ तो खुद इंजीनियर का पिता भी हैरान रह गया। नोएडा के एक्सप्रेस वे थाना पुलिस के मुताबिक टीसीएस कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम के पिता ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसकी तलाश कर ही रही थी कि शुभम के पिता ने अपहर्ताओं द्वारा फिरौती मांगने की सूचना दी। बताया कि 50 लाख रुपये की डिमांड की गई है।

50 लाख से घटकर 15 हजार तक पहुंची बार्गेनिंग

पुलिस ने सलाह दिया कि वह बार्गेनिंग करते रहें। शुभम के पिता ने बार्गेनिंग शुरू किया तो 24 घंटे के अंदर ही मामला 50 लाख से घटकर 15 हजार रुपये पर आ गया। इसके बाद लेनदेन का स्थान तय हुआ। शुभम के पिता मौके पर पहुंच गए और अपहर्ता भी रकम लेने आ गया। चूंकि मामला पुलिस के संज्ञान में था, इसलिए थोड़ी दूरी पर पुलिस भी खड़ी थी। पुलिस ने मौके से एक युवक को अरेस्ट किया और थाने में लाकर थोड़ी खातिरदारी की तो युवक ने बताया कि वह तो मोहरा भर है। इस वारदात का मास्टरमाइंड खुद शिकायतकर्ता का बेटा है।

डेटिंग का लगा था चश्का

इसके बाद पुलिस टीम आरोपी की निशानदेही रेवाड़ी पहुंची। वहां आरोपी अपने एक दोस्त के साथ मौजूद था। पुलिस ने इन तीनों को अरेस्ट किया और थाने ले आई। यहां जब इंजीनियर से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि शराब तो पहले से ही पीता था, अब उसे डेटिंग का चश्का लग गया था। कई लड़कियों से दोस्ती हो गई थी। ऐसे में उसकी अपनी तनख्वाह कम पड़ने लगी। ऐसे में उसने साजिश रची कि क्यों ने पिता से कुछ रकम निकलवाई जाए। इस प्रकार आरोपी ने अपने दोस्तों को बुलाया और इस साजिश को अंजाम दिया।

संपन्न परिवार से है इंजीनियर

चूंकि उसके दोस्त भी कर्ज में परेशान थे, इसलिए उन्हें भी लगा कि बैठे बिठाए कुछ रकम हाथ आ जाएगी और वह इस साजिश में शामिल हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक शुभम टीसीएस में इंजीनियर है, वहीं उसके पिता ग्वालियर में केबल नेटवर्क का कारोबार करते हैं। उसके चाचा के कई रेस्टोरेंट है और दादा रजिस्टार के पद से रिटायर हैं। वहीं दो अन्य आरोपी संदीप और अंकित हरियाणा में सिलारपुर गांव के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों में से एक अंकित आर्मी का जवान है और इस समय उसकी तैनाती कुपवाड़ा थी, लेकिन अब उसे अजेमर ट्रांसफर किया गया है।

रायबरेली– भगवा चोला, नाम मोहम्मद सलीम, कश्मीरी बताकर दीक्षा लेने पहुंचा मठ... पुलिस के आने से पहले हुआ फरार

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित बड़ा मठ में एक मुस्लिम युवक ने धोखे से दीक्षा लेने की कोशिश की। युवक ने अपना परिचय कश्मीरी हिंदू के रूप में दिया। कहा कि वह देशाटन पर निकला है और महाराष्ट्र के संतों ने उसे दीक्षा लेने के लिए यहां भेजा है। बातचीत के दौरान संतों को शक हो गया और उससे अपना परिचय पत्र दिखाने को कहा गया। बड़ी मुश्किल से युवक ने अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया। इस पर नाम मोहम्मद सलीम लिखा था। यह देखकर संतों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के आने से पहले युवक फरार हो गया।

संतों ने पुलिस को बताया कि यह घटना 15 सितंबर की रात का है। 35 वर्षीय आरोपी युवक मठ में करीब आधा घंटे तक ठहरा। रायबरेली जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर स्थित बड़ा मठ डलमऊ कस्बे में गंगा नदी के किनारे

हैं। जहां पर बच्चों को संस्कृत की शिक्षा दी जाती है। इसमें बच्चे व्याकरण और वेद पुराण की पढ़ाई करने के बाद दीक्षा लेते हैं। बड़ा मठ के स्वामी दिव्यानंद महाराज के मुताबिक आरोपी साधु के वेष में यहां पहुंचा और दीक्षा के लिए आग्रह किया।उसने कहा कि महाराष्ट्र के संतों ने उसे यहां भेजा है।

पुलिस का नाम सुनकर भागा

उन्होंने बताया कि आश्रम में आरोपी का स्वागत करते हुए भोजन कराया गया। इस दौरान संदेह होने पर उससे आधार कार्ड दिखाने को कहा गया। आरोपी ने पहले तो टालमटोल की, लेकिन बाद में उसने जम्मू कश्मीर ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया। इसपर आरोपी का नाम मो। सलीम लिखा था। संदेह बढ़ने पर संतों ने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। संतों के मुताबिक युवक ने दाढ़ी बढ़ा रखी थी, सफेद कुर्ते पर भगवा अचला पहने था। इसी प्रकार दाहिने हाथ में रुद्राक्ष की माला और बाएं हाथ में टैटू गोदवाया था। हालांकि पुलिस ने इस मामले में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में अभी तक साफ नहीं हो सका है कि यह युवक मठ में क्यों आया था।

थूक लगाकर बना रहा था तंदूरी रोटी, पुलिस ने ढाबे को कराया बंद, 8 साल से कर रहा था काम

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में एक ढाबे में थूक लगाकर कर्मचारी के रोटी बनाने का वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस की एक टीम तत्काल ढाबे पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह दनकौर के बिहारी लाल चौक पर स्थित एक ढाबे का है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स तंदूर रोटी बना रहा है। तंदूर में रोटी सेंकने के दौरान वह कई बार थूकता नजर आता है। तंदूर के आसपास तीन लोग खड़े दिखाई देते हैं। वहीं, दाबे के अंदर कुछ ग्राहक खड़े भी दिखाई देते हैं। वायरल वीडियो 32 सेकेंड का है।

आठ साल से ढाबे पर कर रहा था काम

पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम जाने आलम है। वह ढाबे में खाना बनाने का काम करता है। वह जारचा का रहने वाला है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आलम आठ साल से यहां काम कर रहा है। उसे ढाबे पर तंदूरी रोटी बनाने का काम मिला है। इस घटना से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की गई है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से भी ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां भी एक होटल में थूक से रोटी सेंकने की घटना सामने आई थी, जिस पर हिंदू संगठनों ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। रोटी बनाने वाला आरोपी नाबालिग था, इसलिए पुलिस ने उसे बाल सुधार गृह भेज दिया। इस घटना से पहले गाजियाबाद में एक शादी समारोह में थूक लगाकर रोटी सेंकने का मामला आया था। बागपत में थूक लगाकर फेज मसाज का वीडियो आया था।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में बढ़ रही परेशानियां

प्रयागराज। मंगलवार की देर रात से गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार घट रहा है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार बुधवार को भी गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है। अब यहां पर 83.94 मीटर पर गंगा बह रही हैं और छह सेंटी मीटर की रफ्तार घट रही हैं। छतनाग में जलस्तर 82.83 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। यहां पर फिलहाल जलस्तर 83.69 मीटर पर है।

जिले में मंगलवार को 11 घंटे में 42.31 मिलीमीटर बारिश हुई। इनमें से करछना और कोरांव के बाद शहर में सबसे अधिक सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह आठ से शाम सात बजे के बीच करछना में 72 मिमी बारिश हुई।

कोरांव में 62 मिमी और सदर तहसील में 60 मिमी बारिश हुई। बारा में 33, हंडिया में 23.5, फूलपुर में 10 तथा सोरांव में 15 मिमी बारिश हुई।

पुलिस की वर्दी में मिलता था ठग, बताता था कांस्टेबल, नौकरी के नाम पर महिला को ठगा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। पुलिस की वर्दी लोगों की सुरक्षा के लिए होती है। लेकिन अब इस वर्दी को कुछ लोग गलत इस्तेमाल कर ठगी का धंधा बना रहे हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का है। यहां एक ठग ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला से 2 लाख 40 हजार रुपये ऐंठ लिए। ठग पीड़ता से पुलिस की वर्दी पहने हुए मिला करता था। उसके खिलाफ पहले से पुलिस में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला जिले के दुल्लहपुर इलाके का है। पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति के द्वारा पुलिस की वर्दी पहन कर पीड़ति महिला को नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया। उससे पुलिस भर्ती करने के नाम पर 240000 रुपए ऐंठ लिए। जब पीड़िता को लगा कि उसके साथ

धोखा हुआ है तो उसने थाने में तहरीर देकर मुकदमा लिखवाया। इस मामले में पुलिस ने एक दिन पूर्व आरोपी को गाजीपुर-मऊ बॉर्डर पर वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया था।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुल्लहपुर पुलिस के मुताबिक, 15 सितंबर को एक महिला ने वीरेंद्र नाम के युवक पर पुलिस भर्ती के नाम पर पुलिस की वर्दी पहन कर उससे रुपये ठगने का आरोप लगाया था। जिस पर स्थानीय पुलिस ने वीरेंद्र यादव के खिलाफ धारा 419, 420, 406, 504, 506 और 389 के तहत केस दर्ज किया था। इसी मुकदमे के आधार पर पुलिस गाजीपुर-मऊ के बॉर्डर सरसेना के पास चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को वीरेंद्र यादव पर नजर पड़ी और उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की वर्दी में मिलता था आरोपी

पीड़ति महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वीरेंद्र यादव पुलिस की वर्दी पहन कर अपने को दुल्लहपुर थाना अंतर्गत जलालाबाद पुलिस चौकी का कांस्टेबल बताता था। उसने उसे नौकरी दिलाने का झांसा दिया। पीड़ति ने बताया कि आरोपी उसके सामने पुलिस की वर्दी पहन कर आता था। जिसके बाद महिला को विश्वास होने पर उसने नौकरी के नाम पर पैसे दे दिए। काफी दिनों तक जब कहीं कुछ नहीं हुआ तो महिला के द्वारा उसे पैसा वापस मांगे जाने लगा। इसके बाद वह झूठे आश्वासन देकर महिला को परेशान करता रहा। जब पीड़ति ने बार-बार दबाव बनाया तो वह उसको धमकाने और परेशान करने लगा। महिला ने थाने में तहरीर देकर वीरेंद्र यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

न बेड, न डॉक्टर और न ही कोई सुविधा... जमीन पर लेटे मरीज, कन्नौज के अस्पताल की हालत देख स्वास्थ्य विभाग भी हैरान

आर्यावर्त संवाददाता

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से इलाज के नाम पर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाला मामला सामने आया है। कन्नौज जिले के सौरिख क्षेत्र में एक ऐसा अस्पताल चल रहा है जहां इलाज के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस अस्पताल में न तो बेड हैं न ही अस्पताल जैसी कोई सुविधा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अचानक छापा मारा तो इसका खुलासा हुआ। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी ऐसा अस्पताल देख हैरान रह गई। सौरिख क्षेत्र के बेहटा रामपुर गांव के एक घर में अस्पताल चलाया जा रहा था। अस्पताल के नाम पर इस घर में न ही डॉक्टर, न स्टाफ, न ही कोई बेड था। हालांकि मरीजों का इलाज किया जा रहा था। मरीज तखत पर लेटे हुए थे। लोगों के हाथ में ड्रिप लगाकार ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा था। ये सब देख स्वास्थ्य विभाग की टीम हैरान रह गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम के छापेमारी की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बीमार लोगों का इलाज एक छोलाछाप डॉक्टर कर रहा था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम के छापेमारी के बाद वो वहां से भाग निकला। टीम ने पूरे मकान की गहनता से जांच की। जांच के बाद टीम ने वहां इलाज कराने आए लोगों व मरीजों के परिजन से बात की। हालांकि लोगों स्वास्थ्य विभाग की टीम को ज्यादा कुछ बताने से बचते नजर आए। डिप्टी सीएमओ डॉ। ओपी गौतम ने बताया कि मामले की सूचना मिली थी जिस पर छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि बड़ी ही खराब स्थिति में क्लीनिक पाया गया है, जिसको अस्पताल का रूप देकर चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब क्लीनिक या अस्पताल के कागज मांगे गए तो वह लोग कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सके। मामले में संबंधित व्यक्ति के नाम से एक नोटिस जारी किया गया है।

नैनी में बनेगी प्रदेश की सबसे बड़ी तीसरी महिला जेल

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में महिला बंदियों के लिए शासन स्तर पर एक बड़ा बदलाव होने की तैयारी में है। जेल में रहने वाली महिला बंदियों के लिए महिला जेल बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद यह मिला जेल प्रदेश की पुण्य सबसे बड़ी जेल बनकर तैयार होगी। जिस पर जल्द ही मुहर लगने वाली है। अभी महिला बैरकों में 120 महिलाओं की क्षमता है। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद इस महिला जेल को तैयार किया जायेगा। नैनी सेंट्रल जेल में बंद सजायाफ्ता और अंडर ट्रायल महिला बंदियों के लिए अब एक अलग महिला जेल बनाने की तैयारी की जा रही है। जो प्रदेश की सबसे बड़ी और तीसरी महिला जेल होगी। इस जेल की क्षमता महिला बंदियों जा संख्या और प्रस्ताव के आधार पर होगी। इस जेल में दो मंजिला ईमारत बनाई जाएगी। इसके अलावा चार बैरके भी बनेगी।

बदमाश पकड़ने गई पुलिस पर महिलाओं का हमला, पत्थर बरसाए, गांव से दौड़ाया

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर महिलाओं ने हमला कर दिया। 20 से 25 महिलाओं ने पुलिस पर पत्थर बरसाए। आरोपी को पुलिस से छुड़ाकर भगा दिया। महिलाओं के झुंड ने पुलिस को गांव से दौड़ा दिया। उनके तेवर देख पुलिस को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। हमला करने वाली महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मामला जिले के चुर्खी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिम्हरा स्टैंड के पास बने बजरंग हाई स्कूल का है। पुलिस वारंटी को गिरफ्तार करने गई थी। उस पर एक घर में आग लगाने का आरोप है। पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो घर की महिलाएं इकट्ठा हो गईं। उन्होंने पुलिस पर हमला कर दिया। इतना ही पुलिस गिरफ्त में आए वारंटी को भी छुड़ाकर भाग दिया,

जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। महिलाओं ने पुलिस पर पत्थर भी चलाए, जिस पर बचाव करते हुए इंस्पेक्टर और उनकी पूरी टीम को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा।

घर में आग लगाने के आरोपी को गिरफ्तार करने गई थी पुलिस

पुलिस के मुताबिक, चुर्खी थाने के ग्राम टडवा में कुछ माह पहले गांव के रहने वाले शिवपाल सिंह के मकान में विवाद होने पर दबंगों ने आग लगा दी थी। शिवपाल की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में अन्य लोगों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। एक आरोपी वीर बहादुर सिंह पुलिस गिरफ्त से दूर था। कई बार पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन उसके घर की महिलाएं बचाव के लिए खड़ी हो जाती थी। पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी।

आरोपी के खिलाफ थे वारंट

पुलिस ने बताया कि बार न्यायालय ने वीर बहादुर सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वह गांव में ही है, जिस पर मंगलवार को चुर्खी थाने के प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह महिला पुलिस बल के साथ उसको गिरफ्तार करने के लिए पहुंचे। पुलिस के डर से वह सिम्हारा स्टैंड के पास बने अपने स्कूल बजरंग हाईस्कूल में छिप गया। प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह पुलिस बल के साथ उसे पकड़ने गए। पुलिस उसे हिरासत में लेकर सीढ़ियों से लेकर आने लगे तभी उसके घर की महिलाएं और अन्य लोगों ने पुलिस को घेर लिया। उन्होंने पुलिस से अभद्रता करनी शुरू कर दी।

पुलिस पर बरसाए पत्थर

जैसे ही पुलिस वारंटी को लेकर स्कूल की छत से सीढ़ियों की तरफ आने लगी तो महिलाओं ने पथराव कर दिया और वारंटी को छुड़ा लिया। पुलिस ने इस मामले में अभद्रता करने वाली पांच महिलाओं के खिलाफ नामदर्ज तथा 20 से 22 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया। इस मामले में कालपी सर्किल के सीओ डॉक्टर देवेंद्र पचौरी का कहना है कि महिलाओं द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता की गई है। किसी भी पुलिस कर्मी को चोट नहीं है। वारंटी वीर बहादुर को महिलाओं द्वारा छुड़ाया गया है। उसके खिलाफ कोर्ट द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस पहुंची थी। जिस पर महिलाओं ने पुलिस वालों से अभद्रता की।

आखिर दिख ही गया छठा आदमखोर भेड़िया, गन्ने के खेत में छिपा था, ड्रोन कैमरे में आया नजर

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़ियों ने दहशत मचा रखी है। भेड़ियों के हमले में अबतक 10 लोगों की जान जा चुकी है, वहीं 30 से अधिक लोग घायल हैं। वन विभाग की टीम ने दावा किया कि 6 भेड़ियों का झुंड था, जो कि इंसानों को निशाना बना रहा था। इनमें से 5 भेड़िये पकड़े जा चुके हैं। वन विभाग के ड्रोन कैमरे में अब छठे भेड़िये की तस्वीर कैद हुई है। यह भेड़िया गन्ने के खेत में छिपा था।

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, महसी इलाके में ड्रोन कैमरे में छठे भेड़िये की तस्वीरें कैद हुई हैं। भेड़िया यहां गन्ने के एक खेत में आया था। जब टीम उसे पकड़ने खेत पहुंची तो वह वहां से भाग चुका था। यह भेड़िया कई मासूमों पर जानलेवा हमला कर चुका है। इलाके के लोग इस भेड़िये को लंगड़ा भेड़िया भी कहते हैं। कई लोगों का दावा है कि यह भेड़िया लंगड़ा कर चलता है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भेड़िया महसी इलाके में ही कहीं छिपकर रह रहा है। टीम लगातार सर्च अभियान चला रही है। जल्द ही यह भेड़िया भी पिंजड़े में कैद होगा।

लंगड़ा भेड़िया साथियों से ज्यादा खतरनाक

स्थानीय लोगों का दावा है कि लंगड़ा भेड़िया अपने साथियों से ज्यादा खतरनाक है। यह रात के अंधेरे में छिपकर वार करता है। यह बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा निशाना बनाता है। रविवार की रात छत पर सो रहे एक बच्चे पर भेड़िये ने हमला बोल दिया था। घरवाले तत्काल उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने बच्चे की नाजुक स्थिति देखते हुए बहराइच जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भेड़ियों के हमले में 10 लोगों की मौत

बहराइच में तीन महीने से ज्यादा समय से आदमखोर भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। भेड़ियों के हमले में जिन 10 लोगों की मौत हुई है, उनमें 9 बच्चे शामिल हैं। वन विभाग का दावा है कि इलाके में अब केवल एक ही भेड़िया घूम रहा है। लेकिन स्थानीय लोग इस दावे से संतुष्ट नहीं दिखते। उनका कहना है कि एक भेड़िया आखिर इतने हमले कैसे कर सकता है। इस बीच, रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद बहराइच में भेड़ियों से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया है। उन्होंने अधिकारियों से जल्द से जल्द भेड़िया को पकड़ने का निर्देश दिया है।

योगी से नहीं संभल रही प्रदेश की कानून व्यवस्था: उज्जवल रमण

प्रयागराज। आज कांग्रेसजनों ने सांसद उज्जवल रमण सिंह की अध्यक्षता में प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था एवम् पुलिसिया उत्पीड़न के खिलाफ इलाहाबाद मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना प्रदर्शन किया तथा राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज को दिया गया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था योगी सरकार से संभल नहीं रही है। महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहा कि प्रदेश की अभी जो अपराध की लिस्ट जारी हुई है उसमें यह बताया गया है कि सबसे अधिक मुस्लिम समुदाय के लोगों का एनकाउंटर हुआ। उसके बाद ब्रह्मण समाज, दलित तथा पिछड़े समाज के लोगों को विद्वेष की भावना से एनकाउंटर किया गया है जो कानून व्यवस्था की पोल खोल कर रख दिया है।

यूपी में अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी कर सकते हैं डीएलएड, आज से रजिस्ट्रेशन शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी डीएलएड कर सकते हैं. परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश की ओर से डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन प्रवेश परीक्षा के लिए आज, 18 सितंबर दोपहर 12 बजे से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट updeled.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. फॉर्म भरने की लास्ट डेट 9 अक्टूबर और एप्लीकेशन फीस जमा करने की अंतिम तारीख 10 अक्टूबर निर्धारित की गई है.

इस पर डीएलएड में अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को भी आवेदन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी गई है. हालांकि दाखिले में यूपी के कैंडिडेट्स को ही प्राथमिकता दी जाएगी. 12वीं बोर्ड परीक्षा में 50 फीसदी नंबरों से पास जनरल कैटेगरी और 45 फीसदी नबंरों से पास एससी, एसटी, ओबीसी और दिव्यांग कैटेगरी के अभ्यर्थियों रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं.

यूपी DE.Ed Registration 2024 ऐसे करें अप्लाई

आधिकारिक वेबसाइट updeled.gov.in पर जाएं.

होम पेज पर दिए गए रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें.

डिटेल दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें और फॉर्म भरें.

एप्लीकेशन फीस जमा करें और सबमिट करें.

UP DE.Ed 2024: यूपी में डीएलएड की कितनी सीटें?

यूपी में डीएलएड की 2.3 लाख के करीब सीटें हैं. जिन पर प्रवेश परीक्षा के जरिए काउंसलिंग के माध्यम से एडमिशन होने हैं. सामान्य श्रेणी के कैंडिडेट्स को 700 रुपए आवेदन शुल्क देना होगा. वहीं एससी व एसटी श्रेणी को 500 रुपए और दिव्यांग आवेदकों को 200 रुपए एप्लीकेशन फीस जमा करना होगा.

यूपी DE.Ed 2024 Exam: यूपी डीएलएड परीक्षा पैटर्न

प्रवेश परीक्षा में सामान्य ज्ञान, शिक्षण योग्यता, रीजनिंग और सामान्य विज्ञान/गणित/भाषा (अंग्रेजी/हिंदी) से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे. एग्जाम में बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार से सवाल पूछे जाएंगे. परीक्षा में माइनस मार्किंग नहीं लागू है. प्रवेश परीक्षा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जारी आधिकारिक नोटिफिकेशन को चेक कर सकते हैं.

एग्जाम में आएंगे अच्छे मार्क्स, बच्चों में डालें ये आदतें

आजकल हर जगह कॉम्पिटिशन बहुत ज्यादा बढ़ गया है ऐसे में हर पेरेंट्स अपने बच्चे के करियर को लेकर चिंतित रहते हैं। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा एग्जाम में अच्छे नंबर लाएं, तो ऐसे में आप बच्चे में ये आदतें डालें, जिससे उन्हें स्ट्रेस महसूस न हो और एग्जाम में भी अच्छे मार्क्स ला सकें।

पेरेंटिंग एक बहुत खूबसूरत अहसास के साथ ही डिफिकल्ट टास्क भी है. जिसमें बच्चे की सेहत, पढ़ाई और कई चीजों का ख्याल पेरेंट्स को ही रहना होता है। क्योंकि बच्चे इन सब बातों समझने में सक्षम नहीं होते हैं। हर एक माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा होकर एक अच्छा इंसान बनें और करियर में सफलता हासिल करें। इसके लिए पेरेंट्स उनके पालन-पोषण में अपनी तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। सबसे जरूरी है कि अपने बच्चे को प्यार और समर्थन देना। जिससे बच्चे के अंदर कॉन्फिडेंस डवलेप हो सके।

कई बार बच्चों को पढ़ाना भी एक मुश्किल काम बन जाता है। पेरेंट्स बच्चे की पढ़ाई और भविष्य को लेकर चिंता करते रहते हैं। क्योंकि आजकल हर जगह पर कॉम्पिटिशन बहुत ज्यादा बढ़ता जा रहा है। इसलिए पेरेंट्स अपने बच्चों की शिक्षा पर खास ध्यान देते हैं। इसलिए आप बच्चों में ऐसी आदतें डालें जिससे वो आसानी से कुछ सीख सकें और पढ़ाई में भी अच्छे मार्क्स लाएं।

टाइम मैनेजमेंट

सबसे जरूरी है कि बच्चो के अपना टाइम मैनेज करना आना चाहिए। इसके लिए बचपन से ही पेरेंट्स को उनके सोन-उठने, खाना खाने, पढ़ाई और खेलने के लिए एक समय निर्धारित करना चाहिए।

नियमित रिवीजन

स्कूल और ट्यूशन से आने के बाद कुछ समय टीवी देखने और आराम करना भी जरूरी है। लेकिन आप बच्चे को नियमित रिवीजन करवा सकते हैं। अगर बच्चा हर रोज सिर्फ कुछ मिनट के लिए ही रिवीजन करेगा तो इससे एग्जाम टाइम पर ज्यादा स्ट्रेस नहीं लेना पड़ेगा।

पढ़ाने का तरीका

कई बार पेरेंट्स बच्चे के ऊपर अच्छे नंबर लाने का बहुत प्रेशर डालते हैं। जिसकी वजह से बच्चे को स्ट्रेस हो सकता है। अगर आपका बच्चा पहले से ही एग्जाम को लेकर स्ट्रेस में है तो ऐसे में बच्चे का सपोर्ट सिस्टम बनें। उससे बात करें और उसे समझाएं। साथ ही जरूरी है कि आप बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करें और गणित के सवालों को उदाहरण देकर समझाएं, ताकि बच्चे को वो सही से समझ में आए जाते।

ब्रेक लें

एग्जाम के समय बच्चा अगर लगातार पढ़ रहा है तो ये भी सही नहीं है। इसलिए उसे बीच-बीच में कुछ समय का ब्रेक लेने के लिए कहें। क्योंकि इससे माइंड फ्रेश महसूस करता है और ज्यादा सही पढ़ाई करने में मदद मिल सकती है। एग्जाम के समय पढ़ाई के साथ ही बच्चे को एंटरटेन के लिए कुछ देर टीवी देखना या उनका पसंदीदा काम करने दें।

फ्लोरल ड्रेस से सूट तक, ऑफिस में स्टाइलिश और क्लासी लुक के लिए देखें ये आउटफिट

ऑफिस के लिए आउटफिट सेलेक्ट करते हुए लड़कियां कई बार कन्फ्यूज हो जाती हैं, क्योंकि वह स्टाइलिश दिखने के साथ ही क्लासी लुक भी पाना चाहती हैं। इसके लिए सूट से लेकर फ्लोरल ड्रेस तक यहां देखिए वर्क प्लेस पर परफेक्ट लुक पाने के लिए आउटफिट के डिजाइन।

कृति सेनन ने वाइट बेस की फ्लोरल ड्रेस कैरी की है। फुल स्लीव वी-नेक मिडी ड्रेस में वह प्रिटी लग रही हैं। उन्होंने मेकअप से लेकर ज्वेलरी तक लुक को भी काफी मिनिमम रखा है। इस तरह का लुक ऑफिस में ट्राई किया जा सकता है। शॉर्ट के साथ ही लॉन्ग फ्लोरल ड्रेसेस कंफर्टेबल लुक देती हैं।

श्वेता तिवारी अक्सर खूबसूरत चिकनकारी कुर्ती में फोटो शेयर करती हैं। उनके ये दोनों ही लुक एलिगेंट लग रहे हैं। ऑफिस के लिए अगर चिकनकारी वर्क कुर्ती खरीद रही हैं तो कॉटन फैब्रिक बेस्ट रहता है। आप इस तरह की कुर्ती को पेंसिल जींस के साथ भी पेयर कर सकती हैं।

श्वेता तिवारी हर लुक से फैशन गोल सेट करती नजर आती हैं। उनके इस नए लुक की तरह बेल्ट वाली मिडी ड्रेस आपको ऑफिस में स्टाइलिश और बॉसी लुक देने में हेल्प करेगी। हूप ईयररिंग और हाई हील्स के साथ लुक को पूरा करें।

फ्लोरल प्रिंट स्ट्रैपी फ्रॉक कुर्ती में प्रज्ञा जायसवाल फ्लॉलेस लुक में हैं। इस तरह के सिंपल सूट भी ऑफिस में बढ़िया लुक देते हैं। अगर आपको एथनिक ज्यादा पसंद है तो इस तरह के फ्रॉक सूट को अपनी ऑफिस वार्डरोब में जगह दें।

ऑफिस में अगर कोई खास ओकेजन हो तो मौनी रॉय के इन साड़ी लुक से आइडिया लिया जा सकता है। एक्ट्रेस ने लाइट वेट साड़ियां कैरी की हैं। वाइट साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग का टर्टल नेक नेट का ब्लाउज कैरी किया है तो वहीं ब्लैक साड़ी के साथ कट स्लीव ब्लाउज और पर्ल ज्वेलरी पेयर की है।

फ्रिज में बन जाता है बर्फ का पहाड़ तो आसानी से पिघलाने के लिए आजमाएं ये टिप्स, बिना डिफ्रॉस्ट के हो जाएगा काम

बदलते समय के साथ फ्रिज का उपयोग इतना ज्यादा बढ़ गया है कि बारिश और सर्दी के मौसम में भी इस इलेक्ट्रिकल अप्लायंसेज का इस्तेमाल होता है। मगर फ्रिज के फ्रीजर में अक्सर बहुत ज्यादा बर्फ जम जाती है, और इसे साफ करने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। वैसे तो लोग फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट करके आसानी से साफ कर लेते हैं, लेकिन इसका एक नुकसान भी है।

दरअसल जब आप फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट करते हैं तो फ्रिज की कूलिंग भी बंद हो जाती है। ऐसे में फ्रिज में रखे फल-सब्जियां और खाने-पीने का सामान खराब होने के खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आप हम आपको बर्फ पिघलाने का घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। जो बहुत ही आसान होने के साथ ही उपयोगी भी है।

गरम पानी की बाल्टी

फ्रीजर में जरूरत से ज्यादा बर्फ जम जाए या बर्फ का पहाड़ जैसा ही देखने लगे तो भी आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसे आसानी से पिघलाने के लिए आप एक छोटी बाल्टी में तेज पानी कर लीजिए। आपको बाल्टी का साइज फ्रीजर के हिसाब से देखना होगा। ताकि गर्म पानी की बाल्टी आराम से फ्रीजर के अंदर रखी जा सके। इसके रखने के कुछ देर में ही बर्फ पिघलने लगेगी।

छोटी बाल्टी नहीं होने पर करें ये उपाय

अब आप सोच रहे होंगे कि अगर छोटी बाल्टी ना हो तो इस नुस्खे को नहीं अपनाया जा सकता क्या। तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। दरअसल छोटी बाल्टी ना होने पर आप कॉफी के मग में गर्म पानी को भर लीजिए। अब धीरे-धीरे फ्रीजर में डालते जाएऐ। इस ट्रिक की मदद से भी फ्रीजर का जमा बर्फ आसानी से पिघल जाएगा।

लकड़ी का चम्मच आएगा काम

कई दफा फ्रिज में जमा बर्फ का पहाड़ गर्म पानी की मदद से भी आसानी से साफ नहीं होता है। इसलिए गर्म पानी डालने के साथ आप लड़की के चम्मच की मदद से भी फ्रिज को साफ कर सकते हैं। इससे कुछ ही देर में फ्रीजर से पूरा बर्फ क्लीन हो जाएगा। सबसे अच्छी बात है कि डिफ्रॉस्ट भी नहीं करना पड़ेगा।

हेयर ड्रायर भी है मददगार

अगर आपको गर्म पानी से बर्फ पिघलाना झंझट का काम लगता है तो आप हेयर ड्रायर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको नॉर्मल स्पीड पर हेयर ड्रायर को चलाना होगा, इससे कुछ ही देर में फ्रीजर का बर्फ पिघल जाएगा। यह ट्रिक आसान होने के साथ ही बेहद काम की भी है।

गुजराती छोकरी बनीं अजय देवगन की बिटिया रानी जानकी, घाघरा-चोली में लगीं इतनी खूबसूरत कि नीसा भी पड़ जाए फीकी

बीते साल अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, जो गुजराती फिल्म 'वश'की रीमेक थी। इस फिल्म में 'वश' की हीरोइन जानकी बोड़ीवाला ही अजय की ऑनस्क्रीन बेटी के रोल में दिखी थीं। फिल्म में जानकी की एक्टिंग को देख हर कोई उनका दीवाना हो गया, तो उनकी खूबसूरती पर भी सबका दिल आ गया था। पहले ही बॉलीवुड फिल्म से वह फैंस के बीच अपनी जगह बनाने में सफल रहीं, तो अब वह अपने शानदार लुक्स से सोशल मीडिया पर धमाल मचा जाती हैं।

अब हसीना ने अमेरिका में नवरात्रि सेलिब्रेशन के दौरान की तस्वीरें शेयर की हैं। जहां घाघरा-चोली में एकदम गुजराती छोकरी का रूप धरकर वह कमाल कर गईं, तो उनका देसी अंदाज खूब शानदार लगा। हसीना का ये लुक अब हर जगह छाया हुआ है। जिसमें वह रंग-बिरंगे कपड़ों में बला की खूबसूरत लगीं। यकीन मानिए आप भी अजय की इस ऑनस्क्रीन बिटिया रानी को देख दिल दे बैठेंगे।

ऐसी है जानकी की आउटफिट

जानकी ने इंस्टाग्राम पर अपनी फोटोज शेयर की हैं। जिसमें वह पलक सावनी के लेबल वस्त्र के खूबसूरत मल्टीकलर घाघरा-चोली में नजर आ रही हैं। जिसमें उनके घाघरे की हर कली पर अलग-अलग रंग शानदार लगा, तो गुजराती प्रिंट ने इसे और आकर्षक बना दिया। वहीं, उनकी वेस्ट पर सितारों से सजी बेस्ट है, तो सीपियां भी लटकी हैं। इस घेरदार घाघरे में जानकी बेहद ही गॉर्जियस लगीं।

चोली और दुपट्टा भी है कमाल

जानकी ने इसके साथ स्लीवलेस चोली स्टाइल की। जिस पर मिरर वर्क के साथ ही मोती लगे हैं, तो अलग-अलग रंगों से कढ़ाई करके शानदार पैटर्न बनाया है। जिसमें हाथी सहित कुछ जानवर भी हैं। जिससे ये गोल नेकलाइन चोली हसीना पर खूब जची, तो साथ में उन्होंने घाघरे जैसे प्रिंट वाला दुपट्टा कैरी किया। जिसे सुनहरे गोटे के बॉर्डर के साथ फिनिशिंग टच दिया है।

जूलरी ने लगाए लुक में चार चांद

अपने इस लुक को जानकी ने बेहद ही प्यारी जूलरी के साथ स्टाइल किया। जिसने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। उन्होंने कपड़ों के लेबल वस्त्र के साथ ही जूलरी ब्रांड Dohe इंडिया की एक्सेसरीज पहनी। मोर डिजाइन वाला उनका कलरफुल चोकर सेट, मैचिंग ईयररिंग्स और कंगन आउटफिट को कॉम्प्लिमेंट कर रहे हैं, तो स्टेज पर वह कंगन के साथ पर्पल चूड़ियां भी पहने दिखीं। वहीं, रिंग के साथ लुक को पूरा किया।

हेयर- मेकअप रहा ऑन पॉइंट

वहीं, आखिर में बात करते हैं जानकी के मेकअप और हेयर स्टाइल की, जो उन पर फब रहा है। पिंक शिमरी आइज, पिंक लिप्स और ब्लश्ड चीक्स के साथ पिंकिश टोन वाला ये मेकअप बढ़िया लगा, तो मिडिल पार्टीशन के साथ उन्होंने बालों की ब्रेड बनाई। साथ ही फ्रंट में फ्लिक्स निकालकर उन्हें कर्ली ट्विस्ट दिया। जिससे चेहरे पर आती लटों में जानकी प्यारी लगीं।

खाने के तेल पर सरकार ने दिये कड़े निर्देश, एमआरपी में ना करें इजाफा

सरकार ने हाल ही में खाने के तेल की इंपोर्ट ड्यूटी में इजाफा किया। उसके बाद फूड ऑयल प्रोसेसर्स से रिटेल प्राइस ना बढ़ाने को कहा है। इसका कारण कम शुल्क पर भेजे गए फूड ऑयल का पर्याप्त स्टॉक का उपलब्ध होना है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि कम शुल्क पर आयातित स्टॉक आसानी से 45-50 दिनों तक चलेगा और इसलिए प्रोसेसर्स को मैक्सीमम रिटेल प्राइस यानी एमआरपी बढ़ाने से बचना चाहिए। पिछले सप्ताह, केंद्र ने घरेलू तिलहन कीमतों का सपोर्ट करने के लिए विभिन्न खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की थी।

सरकार ने बढ़ाया था टैक्स

इस महीने की 14 तारीख से प्रभावी, कच्चे सोयाबीन तेल, कच्चे पाम तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को शून्य से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। इससे कच्चे तेलों पर प्रभावी शुल्क 27.5 फीसदी हो गया है। इसके अतिरिक्त, रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सूरजमुखी तेल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 12.5 फीसदी से बढ़ाकर 32.5 फीसदी कर दिया गया है, जिससे रिफाइंड तेलों पर प्रभावी शुल्क 35.75 प्रतिशत हो गया है।

स्टॉक की कोई कमी नहीं

मंगलवार को खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए), इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईवीपीए) और सोयाबीन ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एसओपीए) के प्रतिनिधियों के साथ मूल्य निर्धारण रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि प्रमुख खाद्य तेल संघों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि शून्य प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) पर आयातित खाद्य तेल स्टॉक की उपलब्धता रहने तक प्रत्येक तेल का एमआरपी बरकरार रखा जाए और अपने सदस्यों के साथ इस मुद्दे को तुरंत उठाया जाए।

45 से 50 दिनों तक चलेगा स्टॉक

बयान में कहा गया है कि केंद्र सरकार को यह भी पता है कि कम शुल्क पर आयातित खाद्य तेलों का करीब 30 लाख टन स्टॉक है जो 45 से 50 दिनों की घरेलू खपत के लिए पर्याप्त है। भारत घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य तेलों का आयात करता है। आयात पर निर्भरता कुल आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत से अधिक है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ाने का निर्णय घरेलू तिलहन किसानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

सुलझ गया 'मोदी परिवार' का झगड़ा...80 साल की मां बोली 'पिता की विरासत बिकाऊ नहीं'

गॉडफ्रे फिलिप्स की चेयरपर्सन बीना मोदी फैमिली डिस्प्यूट पर खुलकर सामने आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट इंटरव्यू में कहा कि उनके पति केके मोदी की कंपनियां बिकाऊ नहीं है। उन्होंने साफ कर दिया कि अपने बेटों समीर मोदी और ललित मोदी के साथ कानूनी लड़ाई को सुलझाने के लिए ग्रुप की कंपनियों को बेचा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि केके मोदी की विरासत बिक्री के लिए नहीं है। इसे जीवित रखना उनकी जिम्मेदारी है। 80 वर्षीय बीना मोदी को हाल ही में देश की दूसरी सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी की चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में फिर से नियुक्त किया गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर उन्होंने मीडिया रिपोर्ट में अपने बेटों के साथ चल रहे विवाद और ग्रुप को लेकर क्या-क्या कहा है?

कंपनियां सेल के लिए नहीं है

उनके बेटे समीर और ललित (इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व बॉस) ने आरोप लगाया है कि वह उनके पिता की इच्छा के अनुसार काम नहीं कर रही हैं। दोनों ने अपनी मां पर साल 2019 में केके मोदी द्वारा एग्जीक्यूटिड ट्रस्ट डीड का पालन ना करने का भी आरोप लगाया है। बीना मोदी से जब पूछा गया कि क्या मौजूदा डिस्प्यूट का कोई सॉल्यूशन है, तो उन्होंने कहा कि (ललित और समीर को) विरासत में से 25—25 फीसदी हिस्सा मिलेगा। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि कंपनियां बेची नहीं जाएंगी।

गॉडफ्रे फिलिप्स की चेयरपर्सन बीना मोदी ने केके मोदी की विरासत को लेकर अपने बेटों के साथ कानूनी लड़ाई के बीच ग्रुप की कंपनियों को ना बेचने का फैसला किया है। वह आश्वासन देती है कि उसके बेटों को उनके शेयर मिलेंगे लेकिन इस बात पर जोर दिया कि कंपनियां बेचने के लिए नहीं हैं। पारिवारिक ट्रस्ट गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया में 48 फीसदी हिस्सेदारी को कंट्रोल करता है।

उन्होंने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि कंपनियां सेल के लिए नहीं हैं। मेरे जीवनकाल में तो बिल्कुल भी नहीं। यदि कोई दूसरा सॉल्यूशन है, तो मैं उसके लिए तैयार हूं। केके मोदी के पारिवारिक ट्रस्ट डीड के कंटेंट से परिचित लोगों के अनुसार, उनकी पत्नी और तीन बच्चों को पारिवारिक संपत्ति का बराबर हिस्सा मिलेगा। उत्तराधिकारियों में उनकी बेटी चारू मोदी भी हैं।

बेटी को बनाया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अनुमान लगाया गया है कि इस पूरे विरासत की वैल्यू 4 बिलियन हो सकती है। गॉडफ्रे फिलिप्स के अलावा, जिसका भारत में मार्लबोरो ब्रांड की सिगरेट बेचने के लिए फिलिप मॉरिस के साथ टाईअप है, केके मोदी ग्रुप में इंडोफिल, मोदीकेयर और कलरबार भी शामिल हैं। बीना मोदी ने चेयापर्सन और एमडी की बने रहने के लिए 6 सितंबर को हुए एजीएम में 75 फीसदी गॉडफ्रे फिलिप्स शेयरधारकों की मंजूरी ले ली थी। एजीएम में कंपनी के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर समीर मोदी को बोर्ड से बाहर का रास्ता दिखा गया दिया गया। उनकी जगह बेटी चारू मोदी को 87 फीसदी वोटों के साथ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया। जब बीना मोदी से पूछा गया कि जिस परिवार के सदस्यों के बीच कभी सौहार्दपूर्ण संबंध थे, उनके बीच ऐसी कढ़वाहट कैसे आ गई, तो उन्होंने कहा कि मैं सभी मामलों में प्रतिवादी हूं। मैं कभी अदालत नहीं गई।

ट्रस्ट के पास है ग्रुप की 48 फीसदी हिस्सेदारी

ईटी ने अपनी रिपोर्ट में परिवार के करीबी लोगों के हवाले से लिखा है कि विवाद काफी तीखा हो गया है। इस पूरे विवाद में चारू मोदी ने अपनी मां का पक्ष लिया है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया में मोदी परिवार की 48 फीसदी हिस्सेदारी पारिवारिक ट्रस्ट के माध्यम से है। बीना मोदी पारिवारिक ट्रस्ट को कंट्रोल करती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में ललित मोदी के बेटे रुचिर की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी के रूप में बीना मोदी की पावर्स कम करने को लेकर बात कही गई थी। बीना मोदी ने कहा कि पिछले तीन या चार सालों से मैं सीख रही थी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा बोर्ड में थी लेकिन जो हुआ (केके मोदी के निधन) उसके लिए मैं तैयार नहीं थी। एग्जीक्यूशन टीम अच्छी है। हम गवर्नेंस के इश्यू को देखेंगे। नॉमिनेशन और रिम्यूनेरेशन कमेटी को बदला जाएगा। शेयरधारकों की चिंताओं का सॉल्यूशन होना बेहद जरूरी है।

30 फीसदी बाजार हिस्सेदारी का टारगेट

बीना मोदी ने ईटी की रिपोर्ट में शेयर बाजार में कंपनी के जबरदस्त परफॉर्मेंस को लेकर भी मीडिया रिपोर्ट में काफी बातचीत की है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयरों का प्राइस साल की शुरुआत से अब तक तीन गुना हो गया है, जिससे कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का हो चुका है। उन्होंने कहा कि मार्लबोरो को देखो... वह कहां चला गया है। हमें 30 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की जरूरत है। अभी कुछ समय पहले हम 12 फीसदी पर थे। अब हम 17 फीसदी पर हैं। उन्होंने कहा कि शेयर बाज़ार ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जब उनके पति जीवित थे, तो वह कहा करते थे कि अगर हम 15 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल कर लें, तो यह काफी बड़ी बात होगी। कंपनी ने हाल ही में 2:1 बोनस शेयर इश्यू की घोषणा की है। पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट करने वाली कंपनियों की आई मौज, सरकार ने विंडफॉल टैक्स किया जीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने लगातार तीसरे पखवाड़े में क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट करने पर लगने वाले टैक्स यानी विंडफॉल टैक्स को घटाकर जीरो कर दिया है। जी हां, ये खबर उन कंपनियों के लिए काफी अच्छी है जो भारत में कच्चे तेल को रिफाइन कर विदेशों में एक्सपोर्ट करती हैं। अब उन्हें कच्चा तेल एक्सपोर्ट करने पर ज्यादा टैक्स नहीं देना होगा और कमाई भी ज्यादा होगी। जानकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में गिरावट की वजह से सरकार की ओर से ये फैसला लिया गया है। इससे पहले सरकार ने महीने की शुरुआत में भी विंडफॉल टैक्स में कटौती कर ऐसी कंपनियों को बड़ी राहत दी थी। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर विंडफॉल टैक्स को लेकर सरकार ने और क्या कहा है।

जीरो किया विंडफॉल टैक्स

भारत सरकार ने मंगलवार को कच्चे तेल पर 1,850 रुपए प्रति टन से विंडफॉल टैक्स हटाने की घोषणा की है। सरकारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह 18 सितंबर से प्रभावी होगा। भारत ने 19 जुलाई, 2022 से विंडफॉल टैक्स लगाने की शुरूआत की थी। कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट के बीच यह कदम उठाया गया है। इस टैक्स की शुरुआत करने के बाद से ये दूसरी बार है जब इस टैक्स को जीरो किया गया है।

पिछली बार 4 अप्रैल 2023 को केंद्र सरकार ने इसे शून्य कर दिया था। इससे पहले सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 2100 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 1850 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। जिसे 31 जुलाई से लागू कर दिया गया था। इससे इससे पहले, सरकार ने 17 अगस्त को पेट्रोलियम उत्पादों पर विंडफॉल टैक्स को 2,400 रुपए प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपए प्रति टन कर दिया गया था। सरकार हर 15 दिन के बाद इस टैक्स को रिव्यू करती है और टैक्स कटौती या फिर बढ़ोतरी करती है।

कब शुरू हुआ था विंडफॉल टैक्स?

भारत सरकार ने जुलाई 2022 से क्रूड ऑयल प्रोड्यूसर्स पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। जिसके बाद से गैसोलीन, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर कंपनियों को टैक्स देना पढ़ रहा था। सरकार को ये फैसला इसलिए लेना पड़ा था क्योंकि निजी रिफाइनर कच्चे तेल को लोकल लेवल पर सप्लाई करने की जगह ज्यादा कमाई काररने के लिए विदेशों में फ्यूल सप्लाई कर रहे थे। जिसके बाद कंपनियों का मुनाफा अप्रत्याशित रूप से बढ़ने लगा। सरकार विंडफॉल टैक्स में कटौती तब करती है, जब इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में कटौती होती है। क्रूड ऑयल की कीमतों में इजाफा होने के बाद सरकार विंडफॉल टैक्स में भी इजाफा कर देती है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

वहीं इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 74 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जिसमें डेढ़ फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। जबकि सितंबर के महीने में खाड़ी देशों के तेल में 6 फीसदी की कटौती देखने को मिल चुकी है। 10 सितंबर को क्रूड ऑयल के दाम 68 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए थे।

वहीं दूसरी ओर अमेरिकी कच्चे तेल डब्ल्यूटीआई की कीमतों में मौजूदा समय में 2 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल रहा है और दाम 71।56 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। जबकि सितंबर के महीने में अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत में 2।70 फीसदी की गिरावट देखी जा चुकी है। 10 सितंबर को अमेरिकी ऑयल की कीमतें 64.61 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई थीं।

हिजबुल्ला ने बदला लेने की दी धमकी, सिलसिलेवार पेजर धमाकों के बाद अलर्ट पर इस्राइल

बेरूत। मंगलवार को लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए सिलसिलेवार पेजर धमाकों के बाद हिजबुल्ला ने इस्राइल से बदला लेने की धमकी दी है। हिजबुल्ला ने धमाकों का आरोप इस्राइल पर लगाया है। हालांकि अभी तक इस्राइल की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं हमलों में ईरान के राजदूत भी घायल हुए हैं। ऐसे में ईरान और इस्राइल के बीच भी तनाव, जो पहले से ही बढ़ा हुआ है, उसके और भी बढ़ने की आशंका है।

हिजबुल्ला ने चेतावनी देते हुए कहा है कि इस्राइल को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। लेबनान में हुए सिलसिलेवार धमाकों में करीब तीन हजार लोग घायल हुए हैं और नौ लोगों की मौत हुई है। हिजबुल्ला ने इस्राइल की इस कथित कार्रवाई को भड़काऊ करार दिया और इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी दी।

हिजबुल्ला ने कहा है कि धमाकों में इसके दो सदस्यों की मौत हुई है और मृतकों में एक युवा लड़की भी शामिल हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबैद ने कहा है कि 2800 लोग घायल हुए हैं और इनमें से कई की हालत गंभीर है। अधिकतर लोगों के मुंह, हाथ और पेट पर चोट लगी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लेबनान में नियुक्त ईरान के राजदूत भी पेजर धमाकों में घायल हुए हैं। हालांकि उनकी हालत गंभीर नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री ने इसे लेकर लेबनान के विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बात भी की है और राजदूत की सेहत के बारे में जानकारी ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने इस हमल को अंजाम दिया। लेबनान के सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि मोसाद ने ताइवान में बने पेजर्स में उत्पादन के समय ही एक गुप्त विस्फोटक पेजर्स में प्लांट कर दिया था। यह विस्फोटक पेजर की बैटरी के पास ही प्लांट किया गया था, जैसे ही कोड डाला गया, वैसे ही ये विस्फोटक फट गए और उसके असर से बैटरी में भी धमाका हुआ।

अमेरिका ने पेजर धमाकों से अनभिज्ञता जताई और कहा कि उन्हें घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है और उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।

लेबनान में हुए हमले ऐसे वक्त हुए हैं, जब इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ लेबनान में हमले करने का एलान किया है। बता दें कि हिजबुल्ला गाजा युद्ध की शुरुआत से ही हमास का समर्थन कर रहा है और इस्राइल पर रॉकेट हमले कर रहा है। इस्राइल की तरफ से भी हिजुबल्ला के हमलों का जवाब दिया जा रहा है।

हमास चीफ इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या के बाद से ही ईरान और इस्राइल के बीच तनाव चरम पर है। अब बेरूत में हुए पेजर्स धमाकों में ईरान के राजदूत भी घायल हुए हैं। ईरान ने भी इस हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया है। ऐसे में आशंका है कि इसके बाद इस्राइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। साथ ही ईरान, हिज्बुल्ला का समर्थन करता है। ऐसे में भी ईरान और इस्राइल के बीच ठन गई है।

फ्लोरिडा में 11 साल का छात्र अपने पास हथियारों की मार रहा था डींगे, गोलीबारी की भी दी धमकी; पुलिस ने दबोचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में 11 साल के एक लड़के को पुलिस ने गोलीबारी की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। लड़के के पास से हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ है, जिसे देखकर पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। वोलुसिया काउंटी के शेरिफ माइक चिटवुड ने बताया कि 11 साल के कार्लो किंगस्टन डोरेली ने अपने साथ सहपाठियों को हथियारों का एक वीडियो दिखाया था और धमकी दी थी। वह अपने पास हथियारों का विशाल जखीरा होने तथा दो अलग-अलग स्कूलों में हमला करने की साजिश रचने की योजना के बारे में डींगे मार रहा था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एयरसॉफ्ट राइफल, पिस्तौल और नकली गोला-बारूद के साथ-साथ चाकू, तलवार और अन्य हथियार जब्त किए।

18 घंटे काम के बाद बाइक पर झपकी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट की मौत, वीडियो वायरल होने के बाद बवाल

बीजिंग, एजेंसी। चीन में फूड डिलीवरी करने वाले एक 55 वर्षीय व्यक्ति की 18 घंटे काम करने के बाद बाइक में झपकी लेने के दौरान मौत हो गई। यह घटना इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी चीन के झेजियांग प्रांत के हांग्जो में घटी। इस घटना का वीडियो चीनी सोशल मीडिया साइट पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद देश भर में डिलीवरी एजेंटों के कल्याण और कानूनी अधिकारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। एक गवाह ने बताया कि फूड डिलीवरी वाला व्यक्ति अपने वाहन पर रात के नौ बजे से अगले दिन दोपहर के एक बजे तक वहीं लेटा हुआ था। एक दूसरे डिलीवरी एजेंट ने उसे देखा। मृतक की पहचान युआन के तौर पर की गई है। वह अपने काम के लिए मशहूर था, लोग उसे ऑर्डर किंग के नाम से जानते थे। युआन दिनभर में 500 से 600 युआन (5000-7000 रुपये) तक कमाता था। बारिश के दिनों में वह 700 युआन कमाता था।

एक व्यक्ति ने बताया कि ऑर्डर किंग कभी-कभी सुबह के तीन बजे तक काम करता था और सुबह के छह बजे उठकर फिर से काम में लग जाता था। जब उसे थकान महसूस होती तो वह अपनी बाइक पर थोड़ी देर झपकी ले लेता था। इसके बाद वह फिर से अपने काम में लग जाता। युआन के एक सहकर्मी ने बताया कि मौत से एक महीने पहले 55 वर्षीय ऑर्डर किंग का एक दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर हो गया था। 10 दिन आराम करने के बाद वह अपने काम पर लौट गया था और दो हफ्ते बाद ही उसकी मौत हो गई। सहकर्मी ने बताया कि युआन कमाने के लिए यहां आए थे। इसके साथ वह अपने 16 वर्षीय बेटे की मदद के लिए काम कर रहे हैं। युआन का बेटा हांगझू में पढ़ाई कर रहा है।

लाइव बहस में उम्मीदवार ने विरोधी नेता पर कुर्सी से किया हमला, कहा– पुराने जख्म...

साओ पाउलो। ब्राजील आजकल काफी चर्चाओं में है। दरअसल, यहां के साओ पाउलो में मेयर पद के लिए हो रही लाइव डिबेट में एक उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंदी पर कुर्सी से हमला कर दिया। घायल प्रत्याशी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

घटना 15 सितंबर यानी रविवार की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये बहस वामपंथी उम्मीदवार जोस लुईज दातेना और दक्षिणपंथी नेता पाब्लो मार्सेल के बीच हो रही थी। मार्सेल ने दातेना पर यौन उत्पीड़न से जुड़े 11 साल पुराने मामले पर टिप्पणी की। इससे गुस्साए वामपंथी उम्मीदवार ने अचानक मेटल की कुर्सी उठाई और मार्सेल पर हमला कर दिया। इसके बाद दातेना को बहस से हटा दिया गया था। वहीं, उन्होंने सोमवार को कहा कि उन्होंने गलती की थी, लेकिन उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

मार्सेल को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। अस्पताल ने बताया कि उनके सीने और कलाई में चोट लगी है। स्थिति उतनी गंभीर नहीं है।

ट्रंप पर हुए हमले से तुलना की

मार्सेल ने कुर्सी पर हुए हमले की तुलना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जुलाई में की गई हत्या की कोशिश और 2018 के चुनाव के दौरान ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर चाकू से किए गए हमले से की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीनों हमलों का वीडियो साझा किया है। उन्होंने कहा कि उन पर लोहे की कुर्सी से उनकी पसलियों पर हमला किया गया। उन्होंने दातेना पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है।

हमले के बाद भी बहस जारी रही

मार्सेल की टीम ने कहा कि जोस लुईज दातेना ने पाब्लो मार्सेल पर कायरतापूर्ण हमला किया तथा लोहे की कुर्सी से उनकी पसलियों पर वार किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बहस उनके बिना भी जारी रही। जानकारी के अनुसार, सभी की सहमति के बाद उम्मीदवारों गिलहर्मे बौलोस, मरीना हेलेना, रिकार्डो नून्स और तबाता अमरल ने बहस जारी रखी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मेयर चुनाव छह अक्तूबर को हैं। इसमें 10 प्रत्याशी मैदान में हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने पेजर धमाकों के लिए इस्राइल को ठहराया दोषी ; लेबनानी समकक्ष से फोन पर की बात

तेहरान। लेबनान और सीमावर्ती सीरिया के कुछ इलाकों में पेजर में सिलसिलेवार ब्लास्ट होने से अफरा-तफरी का माहौल है। मंगलवार को हुए सीरियल ब्लास्ट की पूरी दुनिया में चर्चा है। पेजर्स धमाकों में लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए हैं। इसी को लेकर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान के अपने समकक्ष अब्दुल्ला बू हबीब से फोन पर बातचीत की। अराघची ने हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया। उन्होंने इसे इस्राइली आतंकवाद करार दिया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने राजदूत मोजतबा अमानी की हालत के बारे में भी पूछा। साथ ही उनके बेहतर इलाज के लिए लेबनान का आभार जताया। उन्होंने पीड़ितों के साथ रहने और उनकी सहायता करने की इच्छा जताई।

लेबनान के विदेश मंत्री का जताया आभार

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'लेबनानी समकक्ष अब्दुल्ला बू हबीब के साथ की गई बातचीत में इस्राइल के आतंकवाद की कड़ी निंदा की। पीड़ितों के साथ एकजुट रहने और किसी भी प्रकार की सहायता करने की इच्छा जताई, जिसमें एक 10 साल का बच्चा भी शामिल है। हमारे घायल राजदूत के इलाज के लिए आभारी हूं। इसके अलावा, लेबनान सरकार द्वारा कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत पर जोर दिया।' अराघची ने मोजतबा अमानी की पत्नी से भी बात की, उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए ईरान के सहयोग का आश्वासन दिया तथा तेहरान में वापस लाने के लिए सहायता की पेशकश की।

इतने लोग मारे गए

ईरान और लेबनान के विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय में हुई है ,जब मंगलवार को हिजबुल्ला के सदस्यों को निशाना बनाकर किए गए हमले में कम से कम नौ लोग मारे गए और 2,800 घायल हो गए।

हिजबुल्ला ने भी इस्राइल पर लगाया आरोप

हिजबुल्ला ने इस हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया है और इसके जवाब में इस्राइल पर जवाबी हमला करने की बात भी कही है। इस बीच, लेबनान के अधिकारियों ने लोगों से पेजर को फेंकने का अनुरोध किया है। इस्राइल रक्षा बलों ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

क्या ऐसे दिया गया विस्फोटों को अंजाम

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लेबनान के अधिकारियों का मानना है कि कई महीनों से इस हमले की तैयारी चल रही थी। हिजबुल्ला ने ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो को करीब पांच हजार पेजर्स का ऑर्डर दिया था। जो बीते दिनों ही लेबनान पहुंचे थे। ट्रैक किए जाने के डर से हिजबुल्ला के लड़ाके पुराने जमाने के पेजर्स इस्तेमाल कर रहे थे। लेबनान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि जब पेजर्स का निर्माण किया जा रहा था, उसी वक्त इस्राइल ने इन पेजर्स में बदलाव कर दिए थे।

पहले चरण का चुनाव तय करेगा महबूबा मुफ्ती का भविष्य, दक्षिण कश्मीर पर टिका पीडीपी का अस्तित्व

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। इन 24 सीटों पर 219 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है। पहले चरण में दक्षिण कश्मीर रीजन की 16 और जम्मू क्षेत्र की 8 सीटों पर चुनाव होने हैं। दक्षिण कश्मीर के इलाके में पीडीपी का सियासी आधार रहा है, जिसकी बदौलत सत्ता के सिंहासन तक पहुंचती रही है। इस तरह पहले चरण का चुनाव पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी का सियासी भविष्य तय करेगा तो नेशनल कॉन्फ्रेंस की सत्ता में वापसी का दारोमदार भी इसी पर टिका है।

जम्मू-कश्मीर के पहले चरण की 24 विधानसभा सीटों पर 219 उम्मीदवार मैदान में है, जिनकी किस्मत का फैसला 23,27,580 मतदाता करेंगे। इसमें 11,76,462 पुरुष, 11,51,058 लाख महिला और 60 अन्य मतदाता शामिल हैं। चुनाव आयोग ने पहले दौर की 24 सीटों पर 3276 मतदान केंद्र बनाए हैं। मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला केंद्रित पिंक स्टेशन, दिव्यांगों के लिए मतदान केंद्र और ग्रीन मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं।

पहले चरण में 24 सीटों पर चुनाव

पहले चरण की 24 सीटों पर सबसे ज्यादा साख पीडीपी की लगी है। पहले दौर की 24 सीटों में से 21 सीट पर पीडीपी ने उम्मीदवार उतारे हैं। इसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के 18 प्रत्याशी मैदान में लड़ रहे हैं जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस 9 सीट पर चुनाव लड़ रही है। बीजेपी पहले फेज की 24 में से 16 सीट पर ही चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा 147 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। पहले चरण में महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती सहित 9 महिलाएं भी किस्मत आजमा रही हैं।

पीडीपी के भाग्य का फैसला

कश्मीर के पहले चरण का विधानसभा चुनाव महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी के भाग्य का फैसला करेगा, जो अपने गठन के 25वें साल में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पीडीपी के गढ़ दक्षिण कश्मीर में पहले चरण का मतदान इसकी दिशा तय करेगा। दक्षिण कश्मीर के चार जिलों की 16 और जम्मू के तीन जिलों की 8 विधानसभा सीटें पर वोटिंग है। दक्षिण कश्मीर की सभी 16 सीटों पर सिर्फ पीडीपी ने ही अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में साफ है कि पीडीपी का सियासी भविष्य दांव पर लगा है। पीडीपी की सियासी शुरुआत दक्षिण कश्मीर क्षेत्र से हुई है। 2014 के विधानसभा चुनाव में पीडीपी को सबसे ज्यादा सीटें इसी इलाके से मिली थीं।

लालू–तेजस्वी के बाद अब तेज प्रताप भी फंसे, कोर्ट ने पहली बार भेजा समन, 7 अक्टूबर को होगी पेशी

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव के दूसरे बेटे तेज प्रताप यादव की भी मुश्किलें बढ़ गई है। लालू और तेजस्वी के बाद अब वो भी इस मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में तेजप्रताप को पहली बार समन भेजा है। 7 अक्टूबर को उन्हें कोर्ट में पेश होना होगा। कोर्ट ने इस मामले में लालू-तेजस्वी और तेजप्रताप समेत कुल 8 लोगों को समन भेजा है।

कोर्ट ने सभी आरोपियों को उस दिन पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने लालू यादव, तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव को बातौर आरोपी अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी। ईडी ने चार्जशीट में तेजप्रताप यादव को आरोपी नहीं बनाया था लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले में तेज प्रताप की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता इसलिए उनके खिलाफ समन जारी किया गया है और 7 अक्टूबर को उन्हें पेश होने के लिए कहा है। ईडी ने लैंड फॉर जॉब मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप मे लालू यादव, तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट ने कहा इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए प्रथम दृष्टया में पर्याप्त सबूत है। बड़ी तादात में जमीन का ट्रांसफर हुआ। यादव परिवार द्वारा पद का दुरुपयोग किया गया। कोर्ट ने कहा कि यादव परिवार के नाम पर जमीन का ट्रांसफर हुआ। लालू प्रसाद यादव मनी लांड्रिंग में शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि तेजस्वी यादव के खिलाफ भी मामले में पर्याप्त सबूत हैं। कोर्ट ने कहा कि किरण देवी ने मीसा भारती के नाम पर जमीन ट्रांसफर की, जिसके बदले में किरण देवी के बेटे को नौकरी दी गई।

अरविंद केजरीवाल जल्द खाली करेंगे सरकारी मकान मुख्यमंत्री पद के बाद छोड़ेंगे सारी सुविधाएं

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल उन्हें मिलने वाली सरकारी सुविधाओं को छोड़ेंगे. केजरीवाल सरकारी आवास को कुछ हफ्ते में खाली करेंगे. आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि वह कुछ हफ्ते में सरकारी आवास को खाली कर देंगे. मुख्यमंत्री के तौर पर अरविंद केजरीवाल को बहुत सी सुविधाएं मिली हुई हैं लेकिन कल इस्तीफा देते ही उन्होंने कहा कि सारी सरकारी सुविधाएं छोड़ देंगे.

उन्होंने आगे कहा कि दूसरे नेता चिपके रहते हैं लेकिन अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकारी मकान कुछ हफ्ते में खाली कर देंगे. केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर भी खतरा है। उनपर हमले भी हुए। हमने भी कहा कि यह घर जरुरी है लेकिन उन्होंने कहा कि मेरी रक्षा ईश्वर

करेंगे। मैं 6 महीने जेल में खूंखार अपराधियों के बीच रहा।

'मैं घर छोड़ूंगा'

इसके साथ ही संजय सिंह ने यह भी कहा कि अभी केजरीवाल कहां रहेंगे यह तय नहीं है लेकिन जल्द ही कोई ठिकाना तय किया जाएगा। केजरीवाल जी का कहना है कि अब ईश्वर ही मेरी रक्षा करेंगे। मैं घर छोड़ूंगा। बीजेपी जो कर रही है वह सभी आपके सामने है। पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है लेकिन केजरीवाल ने हौसले से जवाब देने का काम किया है। आप सोचिए कि अगर केजरीवाल नहीं होंगे तो दिल्ली का क्या होगा, मुफ्त शिक्षा और इलाज कौन देगा, आपको सोचना होगा।

भाजपा पर साधा निशाना

संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने कल अपने पद से इस्तीफा दिया। उनके इस फैसले से दिल्ली की जनता, दुखी और गुस्से में है कि उनके मुख्यमंत्री ने उनके लिए इतना काम किया लेकिन इस्तीफा देना पड़ा। लोग पूछ रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल को इस्तीफा क्यों देना पड़ा। आपने देखा होगा कि पिछले 2 सालों से भाजपा अरविंद केजरीवाल को बदनाम कर रही थी। झूठे मुकदमे लगाए गए। उनको भ्रष्टचारी बताया। कोई मोटी चमड़ी का नेता होता तो इस्तीफा नहीं देता लेकिन अरविंद केजरीवाल ईमानदार है।

अरुणाचल में पकड़ी गई चीन की चालबाजी, LAC से 20 km दूरी पर बना रहा नया हेलीपोर्ट

नई दिल्ली। चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है. एक तरफ वह भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने की बात करता है तो वहीं दूसरी तरफ सीमा पर अपना सैन्य ढांचा मजबूत करता है. वहीं, इस बीच खबर है कि ड्रैगन अरुणाचल प्रदेश के फिशटेल्स सेक्टर के पास नया हेलीपोर्ट बना रहा है, जो भारतीय सीमा से महज 20 किमी की दूरी पर है. इस निर्माण से चीन को एलएसी के पास पीएलए की डिप्लॉयमेंट, सैनिकों को लाने जाने में और अग्रिम चौकियों पर सैनिकों को भेजने में आसानी होगी और उसका रिएक्शन टाइम जल्द होगा. इस हेलीपोर्ट की लंबाई करीब 600 मीटर है. इसके साथ ही यहां चीन ने एयरक्राफ्ट हेंगर भी बनाया है. दरअसल, चीन सीमावर्ती इलाके में अपने हवाई पहुंच को मजबूत कर

रहा है.

भारत-चीन के बीच सीमा विवाद एक बड़ी समस्या

भारत चीन के साथ 3488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है. ये सीमा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है. दोनों देशों के बीच कई इलाकों को लेकर अभी मतभेद हैं. चीन इनमें से अधिकांश हिस्से पर दावा करता है लेकिन भारत कुछ हिस्सों पर उसके दावे को लगातार खारिज करता रहा है. दोनों देशों के बीच सीमा विवाद एक बड़ी समस्या है.

2020 के बाद और बिगड़ गए दोनों देशों के रिश्ते

सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच लगातार तनाव रहा है. मई 2020 के बाद यह तनाव और बढ़ गया जब गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प हुई है. इस झड़प में दोनों पक्षों के कई सैनिक मारे गए थे. इसके बाद दोनों देशों के संबंध भी खराब हो गए थे, जो आज तक अच्छे नहीं हैं. पूर्वी लद्दाख, डोकलाम, गलवान, पैंगोंग त्सो, तवांग, नाथूला जैसे इलाकों को लेकर भारत का चीन से विवाद रहा है और है. हाल ही में पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर चीन ने एक बड़ा अपडेट दिया था. चीन ने कहा था कि पूर्वी लद्दाख में गलवान सहित चार जगहों पर से दोनों देशों ने अपनी अपनी सैनिकों को हटा लिया है. फिलहाल सीमा पर हालात स्थिर हैं. चीन का यह बयान विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान के एक दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन के साथ हमने 75 फीसदी समस्याओं का समाधान कर लिया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ता सैन्यीकरण है.

विजेता बनने के बाद अब 'बिग बॉस 18' का हिस्सा होंगी सना मकबूल? बोलीं– क्यों नहीं...

बिग बॉस के 18वें सीजन को लेकर फैंस में काफी उत्साह नजर आ रहा है। हालांकि, शो को लेकर जो बज बना हुआ है, वह केवल बॉलीवुड के भाईजान यानी कि सलमान खान के लिए है। शो को लेकर कई लोगों के नामों को लेकर कयास लगा रहे हैं। हालांकि, एक बार फिर 'बिग बॉस ओटीटी 3' की विनर सना मकबूल के नाम की चर्चा तेजी से हो रही है। अब सना मकबूल ने खुद इस खबर पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री से पूछा गया कि अगर उन्हें बिग बॉस 18 ऑफर किया जाता है तो वह इसमें शामिल होंगी या नहीं। इसी के बारे में बात करते हुए, सना ने खुलासा किया कि उनकी एक मेडिकल स्थिति है, जिसके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते हैं। सना ने यह भी खुलासा किया कि 'बिग बॉस ओटीटी 3' के निर्माता उनकी स्थिति सुनने के बाद उन्हें शो में लेने को लेकर कंफ्यूजन में थे।

सना ने कहा, ₹मुझे नहीं पता कि कितने लोगों को इस बारे में पता है लेकिन मेरी एक मेडिकल स्थिति है। मेरे लिए, उस घर में रहने को डॉक्टर्स भी सही नहीं मानते हैं। डॉक्टर मेरे लिए बीबी ओटीटी करने के लिए सहमत हुए क्योंकि यह कम समय के लिए था, लेकिन शो में आना मेरे लिए ठीक नहीं था। निर्माता इस मेरे शो करने से सहमत नहीं थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं यह कर सकती हूं।'

हालांकि, सना ने उस समय निर्माताओं से कहा, 'आप इसे मुझ पर छोड़ दें। यह डेढ़ महीने का है और मैं जोखिम लेने को तैयार हूं।' यह घर में रहने के लिए एक अच्छा डिटॉक्स साबित हुआ। मैंने अपनी सेहत में सुधार किया।' इसके अलावा बिग बॉस के 18वें सीजन में प्रवेश करने के बारे में बात करते हुए सना कहती हैं, "अगर यह मुझे बेहतर बनाता है, तो क्यों नहीं।"

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री को हाल ही में रोहनप्रीत सिंह के साथ अपने नए गीत 'काला माल' के रिलीज होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए देखा गया था। इस दौरान उन्होंने अपने एल्बम को लेकर कई नए और दिलचस्प खुलासे किए थे।

क्यों ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या बच्चन को हर जगह साथ लेकर जाती हैं? फैन्स के सवाल का मिल गया जवाब

ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या को हर इवेंट में ले जाने को लेकर काफी ट्रोल हो रही हैं। लोगों ने कमेंट करते हुए पूछा कि क्या आराध्या बच्चन स्कूल नहीं जाती हैं? क्यों एक्ट्रेस बेटी को इतना पकड़कर चलती हैं? इन सभी सवालों के जवाब ऐश्वर्या राय ने 4 साल पहले दिए थे, जब उन्हें इन्हीं बातों को लेकर ट्रोल किया गया था। जान लीजिए इसकी वजह

इन दिनों दुबई में हैं। हाल ही में उन्हें फिल्म 'पोन्नियन सेल्वन' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला था। इस फंक्शन में बेटी आराध्या बच्चन भी मौजूद थीं, जिन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। पहले मां के साथ हर इवेंट में जाने के लिए और फिर चियां विक्रम से मिलने पर। ऐश्वर्या राय और आराध्या बच्चन के वीडियो पर कमेंट करते हुए लोग पूछते हैं कि क्यों हर जगह एक्ट्रेस अपनी बेटी आराध्या को साथ ले जाती हैं? क्या आराध्या बच्चन स्कूल नहीं जाती हैं? लोगों के इन सभी सवालों का जवाब ऐश्वर्या राय के एक पुराने इंटरव्यू से मिल गया है। 4 साल पहले भी एक्ट्रेस से ऐसे सवाल किए गए थे। उनका कहना था कि आराध्या के जन्म के बाद से ही उनकी प्रायोरिटी पूरी तरह से बदल गई थी। वो उनके लिए सबसे पहले आती हैं और बाकी चीजें बाद में। वो चाहती हैं कि उनकी बेटी आराध्या पॉजिटिव स्टेट ऑफ माइंड के साथ ही रहे।

दरअसल ऐश्वर्या राय बच्चन को अक्सर देखा गया है कि वो एयरपोर्ट या किसी भी इवेंट में बेटी आराध्या का हाथ पकड़कर रखती हैं। उन्हें बेहद करीब रखती हैं साथ ही प्रोटेक्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में लोग कमेंट करते हैं कि बेटी को हर टाइम पकड़कर क्यों रखा जाता है? डॉल की तरह ट्रीटमेंट होता है, जैसे उस पर अटैक कर दिया जाएगा। इस सवाल का भी उन्होंने जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि बेटी ने बचपन से लाइमलाइट देखा है, वो इस समझती हैं और उन्हें देखकर खूब हंसी मजाक करती हैं। पर पैपराजी को पास आता देख जैसा बिहेव किया, तो मुझे समझ आया कि उन्हें कैसे संभालना है।

क्यों हर जगह बेटी को साथ लेकर जाती हैं ऐश्वर्या?

ऐश्वर्या राय और आराध्या बच्चन बेहद शानदार बॉन्डिंग शेयर करते हैं। अक्सर वो बेटी के साथ स्पॉट होती हैं। लंबे वक्त से अपने रिश्ते को लेकर लाइमलाइट में हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस के हाथ में वेडिंग रिंग न देखने के बाद ऐसी अफवाह उड़ने लगीं कि दोनों के बीच सबकुछ सही नहीं है। बार-बार तलाक की खबरें आती हैं। हालांकि, कपल की तरफ से कुछ भी क्लियर नहीं किया गया है। इसी बीच बेटी को लिए वो दुबई निकल गईं। SIIMA अवॉर्ड में पहुंचीं ऐश्वर्या राय हर वक्त बेटी को साथ लेकर क्यों जाती हैं? ऐश्वर्या राय का मानना है कि बेशक दूसरे बच्चों के मुकाबले स्टार्स के बच्चे बेहद लग्जरी लाइफ जीते हैं, पर उनके लिए भी नॉर्मल लाइफ जीना जरूरी है। वो बेटी के आसपास सट्रिक्ट प्राइवेसी रखना चाहती हैं।

हालांकि, जब ऐश्वर्या राय ने यह इंटरव्यू दिया था, उस वक्त आराध्या बच्चन काफी छोटी थीं। ऐश्वर्या राय ने बताया था कि वो अक्सर बेटी को स्कूल छोड़ने और लेने जाती हैं। बाकी पेरेंट की तरह ही प्ले डेट पर जाते हैं। दरअसल कई सालों से एक्ट्रेस कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा ले रही हैं। लेकिन खास बात यह है कि ऐश्वर्या राय बेटी को हर साल अपने साथ वहां लेकर जाती हैं। छोटी सी उम्र में वो मां के साथ रेड कार्पेट पर दिखी थीं।

ऐश्वर्या का कहना है कि उनके लिए बाकी सभी चीजें अब दूसरे नंबर पर आती हैं, जो जरूरी है वो हैं आराध्या। वो उन्हें हर मौके पर साथ रखना चाहती हैं। जिंदगी के हर फेज का एक्सपीरियंस करवाना चाहती हैं। वो अपना पूरा वक्त आराध्या के साथ ही बिताती हैं। वो आगे बताती हैं कि लोगों का कहना समझती हूं लेकिन मैंने अपने और बेटी के लिए ऐसे ही चीजों को चुना है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com